**………………….गाउँपालिका/नगरपालिका**

**विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना**

**Disaster Preparedness and Response Plan**

**-नमूना\_**



**................. गाउँ/नगरपालिका**

**................... कार्यपालिकाको कार्यालय, .......................**

**.................. प्रदेश, नेपाल**

**20७८**

भूमिका

................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................................... ।

**अध्यक्ष/प्रमुख**

**................... गाउँ/नगरपालिका**

**विषयसूची**

[**परिच्छेद एक** 1](#_Toc74575994)

[**प्रारम्भिक** 1](#_Toc74575995)

[**१.१ पृष्ठभूमि** 1](#_Toc74575996)

[**१.२ योजनाको उद्देश्य** 1](#_Toc74575997)

[**1.३ योजना तर्जुमा प्रक्रिया** 2](#_Toc74575998)

[**१.३.१ गाउँ/नगर विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक** 2](#_Toc74575999)

[**१.३.2 आधारभूत अध्ययन** 3](#_Toc74576000)

[**1.३.3 विषयक्षेत्र (क्लस्टर) को बैठक** 3](#_Toc74576001)

[**1.३.4 कार्यशाला गोष्ठी** 4](#_Toc74576002)

[**1.३.5 योजनाको मस्यौदा तयारी** 4](#_Toc74576003)

[**1.३.6 योजनामा प्रस्तावित क्रियाकलापको परीक्षण** 4](#_Toc74576004)

[**1.३.7 पृष्ठपोषण सङ्‍कलन र अन्तिम मस्यौदा तयारी** 4](#_Toc74576005)

[**परिच्छेद दुई** 5](#_Toc74576006)

[**विपद् जोखिम र व्यवस्थापनको अवस्था** 5](#_Toc74576007)

[**२.1 गाउँ/नगरपालिकाको संक्षिप्त परिचय** 5](#_Toc74576008)

[**2.२ गाउँ/नगरपालिकामा विद्यमान प्रमुख प्रकोपहरु** 5](#_Toc74576009)

[**2.३ विगतका विपद्‌को अवस्था विश्लेषण** 5](#_Toc74576010)

[**2.३.1 विपद्को ऐतिहासिक समय रेखा:** 6](#_Toc74576011)

[**2.३.2 विपद्को आवृत्ति र गम्भिरता** 6](#_Toc74576012)

[**2.३.3 विपद्‌बाट भएको क्षतिको विवरण:** 7](#_Toc74576013)

[**2.४ सम्भाव्य प्रकोप तथा सम्भावित प्रभाव क्षेत्र** 8](#_Toc74576014)

[**2.५ प्रकोपहरुको सम्भाव्य जोखिम विश्लेषण** 8](#_Toc74576015)

[**2.६ पूर्वसूचना प्रणालीको अवस्था** 9](#_Toc74576016)

[**2.७ नीतिगत,कानूनी तथा संस्थागत व्यवस्था** 9](#_Toc74576017)

[**2.८ विषयक्षेत्र तथा कार्य जिम्मेवारी** 10](#_Toc74576018)

[**2.८.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्र** 10](#_Toc74576019)

[**2.८.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्र** 10](#_Toc74576020)

[**2.८.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्र** 10](#_Toc74576021)

[**2.८.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्र** 10](#_Toc74576022)

[**2.८.5 आपत्‍कालीन आश्रय तथा गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्र** 10](#_Toc74576023)

[**2.८.6 संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्र** 10](#_Toc74576024)

[**2.८.7 आपत्‍कालीन शिक्षा क्षेत्र** 11](#_Toc74576025)

[**2.८.8 शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्र** 11](#_Toc74576026)

[परिच्छेद तीन 12](#_Toc74576027)

[पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना 12](#_Toc74576028)

[**3.1 सामान्य पूर्वतयारी योजना** 12](#_Toc74576029)

[**3.1.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 12](#_Toc74576030)

[**3.1.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 14](#_Toc74576031)

[**3.1.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 15](#_Toc74576032)

[**3.1.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 16](#_Toc74576033)

[**3.1.5 आपत्‍कालीन आश्रय र गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 16](#_Toc74576034)

[**3.1.6 संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 17](#_Toc74576035)

[**3.1.7 आपत्‍कालीन शिक्षा विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 18](#_Toc74576036)

[**3.1.8 शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना** 19](#_Toc74576037)

[**3.2 पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 20](#_Toc74576038)

[**3.2.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 20](#_Toc74576039)

[**3.2.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 21](#_Toc74576040)

[**3.2.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 21](#_Toc74576041)

[**3.2.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 22](#_Toc74576042)

[**3.2.5 आपत्‍कालीन आश्रय र गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 23](#_Toc74576043)

[**३.२.६ संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 23](#_Toc74576044)

[**३.२.७ आपत्‍कालीन शिक्षा क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 24](#_Toc74576045)

[**3.2.8 शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना** 24](#_Toc74576046)

[**3.3 आपत्‍कालीन प्रतिकार्य (कार्यविधि) योजना** 25](#_Toc74576047)

[**3.3.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 25](#_Toc74576048)

[**3.3.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 26](#_Toc74576049)

[**3.3.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 27](#_Toc74576050)

[**3.3.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 28](#_Toc74576051)

[**3.3.5 आपत्‍कालीन आश्रय र गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 28](#_Toc74576052)

[**3.3.6 संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 29](#_Toc74576053)

[**3.3.7 आपत्‍कालीन शिक्षा क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 30](#_Toc74576054)

[**3.3.८ शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना** 30](#_Toc74576055)

[**परिच्छेद चार** 31](#_Toc74576056)

[**बन्दोबस्ती सामग्रीको उपलब्धता तथा आवश्यकताको लेखाजोखा** 31](#_Toc74576057)

[**४.१ स्रोत-साधनको वर्तमान अवस्था** 31](#_Toc74576058)

[**४.२ विपद् प्रतिकार्यका लागि जनशक्तिको उपलब्धता** 32](#_Toc74576059)

[**४.३ बन्दोबस्ती सामग्रीको आंकलन** 33](#_Toc74576060)

[**४.३.१ गैर–खाद्य सामग्री भण्डारण स्थल** 33](#_Toc74576061)

[**४.३.२ मानवीय सहायता स्थल** 33](#_Toc74576062)

[**४.४ थप स्रोत साधनको आवश्यकता र अनुमानित लागत** 33](#_Toc74576063)

[परिच्छेद पाँच 34](#_Toc74576064)

[विविध 34](#_Toc74576065)

[**५.१ स्रोत साधनको व्यवस्थापन** 34](#_Toc74576066)

[**५.२ अन्य निकायसँगको समन्वय र सहकार्य** 34](#_Toc74576067)

[**५.३ अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई** 34](#_Toc74576068)

[**५.३.१ लक्ष्य र सूचकहरू** 34](#_Toc74576069)

[**५.३.२ अनुगमन, मूल्याङ्‍कन र योजनाको परिमार्जन** 35](#_Toc74576070)

[**५.४ क्षमता विकास रणनीति र योजना** 36](#_Toc74576071)

[अनुसूची-१ 37](#_Toc74576072)

[प्राविधिक कार्यसमूहको प्रथम बैठकको कार्यसूची 37](#_Toc74576073)

[अनुसूची-२ 38](#_Toc74576074)

[**स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिबाट प्राविधिक कार्यसमूहलाई प्रदान कार्यादेश** 38](#_Toc74576075)

[अनुसूची-३ 39](#_Toc74576076)

[सरोकारवाला निकायको पहिचान तालिका 39](#_Toc74576077)

[अनुसूची-४ 40](#_Toc74576078)

[विषयक्षेत्रको प्रथम बैठकको कार्यसूची 40](#_Toc74576079)

[अनुसूची-५ 41](#_Toc74576080)

[विषयक्षेत्र सदस्य संस्थाको कार्यशर्त (नमूना) 41](#_Toc74576081)

[अनुसूची-६ 42](#_Toc74576082)

[अगुवा सहयोगी संस्थाको कार्यशर्त 42](#_Toc74576083)

[अनुसूची-७ 43](#_Toc74576084)

[कार्यशाला गोष्ठीको कार्यसूची 43](#_Toc74576085)

[अनुसूची-८ 47](#_Toc74576086)

[स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिमा विद्यमान पदाधिकारीहरूको विवरण 47](#_Toc74576087)

[अनुसूची-९ 48](#_Toc74576088)

[विषयक्षेत्रका अगुवा संस्थाका पदाधिकारीहरूको विवरण 48](#_Toc74576089)

[अनुसूची-१० 49](#_Toc74576090)

[विषयक्षेत्र अन्तर्गतका सरोकारवाला निकाय तथा संस्थाहरूको विवरण 49](#_Toc74576091)

[अनुसूची-११ 50](#_Toc74576092)

[प्रतिकार्यको लागि उपलब्ध जनशक्ति तथा संस्थाहरूको विवरण 50](#_Toc74576093)

[अनुसूची-१2 51](#_Toc74576094)

[योजना अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई संश्लेषण प्रारुप 51](#_Toc74576095)

[सन्दर्भ सामग्री 53](#_Toc74576096)

# **परिच्छेद एक**

# **प्रारम्भिक**

## **१.१ पृष्ठभूमि**

नेपालको संविधानले विपद्‍ व्यवस्थापन स्थानीय तहको एकल अधिकार सूचीको रुपमा सूचीकृत गरेको छ। संवैधानिक व्यवस्था कार्यान्यवयन गर्न सङ्‍घ, प्रदेश र स्थानीय तहमा नीति, ऐन, नियम तथा निर्देशिकाहरु तर्जुमा भएका छन्। साथै विपद् व्यवस्थापनका लागि केन्द्र देखि समुदाय तहसम्म विभिन्न संस्थागत संरचना गठन गरी क्रियाशील रहेका छन्। स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति पनि यस्तै संरचना मध्येको एक हो। स्थानीय तहमा हुने विपद् व्यवस्थापनको सन्दर्भमा यस समितिको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ। स्थानीय तहमा गरिने विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यलाई व्यवस्थित र प्रभावकारी ढङ्गबाट सम्पन्न गर्न समितिले यस सम्बन्धी छुट्टै योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने हुन्छ। विद्यमान कानूनी व्यवस्था अनुरुप समेत स्थानीय तहले विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्न आवश्यक रहेको छ।

जलवायु परिवर्तन तथा अन्य विभिन्न कारणबाट संसारमा प्रकोप जोखिमको अवस्थामा वर्षेनी बृद्धि हुने गरेको छ। यस गाउँ/नगरपालिका पनि यस्ता प्रकोप जोखिमहरुबाट अछुतो रहन सकेको छैन। यस गाउँ/नगरपालिकामा विपद्‌बाट हुने जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्न, विपद्‍को प्रतिकार्य र पुनर्लाभलाई गति दिन र यस कार्यमा सरोकारवालाहरु बीचको समन्वयलाई प्रभावकारी बनाउन विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्न आवश्यक देखिएको छ।

प्रस्तुत सन्दर्भमा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ को उपदफा (२) को खण्ड (न) र नेपाल सरकारबाट जारी विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन, २०७६ अनुरूप यस गाउँ/नगरपालिकाले यो विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार गरेको छ।

## **१.२ योजनाको उद्देश्य**

यस गाउँ/नगरपालिकामा विपद् व्यवस्थापनको पूर्वतयारी र यस सम्बन्धी प्रतिकार्यलाई प्रभावकारी बनाई सम्भावित जनधनको क्षति कम गर्नु यस योजनाको प्रमुख उद्देश्य हो। यसका अन्य उद्देश्यहरु देहाय बमोजिम रहेका छन्ः

(क) विपद् प्रतिकार्यका लागि विषयक्षेत्रहरूको भूमिका तथा जिम्मेवारी निर्धारण गर्नु,

(ख) विपद् प्रतिकार्यका लागि मुख्य जिम्मेवार तथा सहयोगी निकायहरूको पहिचान र अद्यावधिक गर्नु,

(ग) विपद्को लेखाजोखा, जोखिम नक्साङ्‍कन, विगतमा घटेका विपद्का घटनाहरुको तथ्याङ्‍क सङ्‍कलन र विश्लेणका आधारमा जोखिम सूचित योजना तर्जुमा गर्नु,

(घ) विपद् प्रतिकार्यका लागि सामान्य पूर्वतयारी, पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी तथा आपत्‍कालीन प्रतिकार्यका क्रियाकलापहरू तय गर्नु र

(ङ) विपद् प्रतिकार्यका लागि हाल उपलब्ध स्रोत, साधन र जनशक्तिको लेखाजोखा एवम् सम्भावित विपद्को सामना गर्न आवश्यक क्षमताको आंकलन, प्रक्षेपण र प्रवन्ध गर्नु।

## **1.३ योजना तर्जुमा प्रक्रिया**

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन, २०७६ ले गाउँ/नगरपालिकाको स्थानीय विपद्‍ व्यवस्थापन समितिको नेतृत्व र विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापनको क्षेत्रमा संलग्न निकाय तथा विषयक्षेत्रको सहभागितामा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ। सोही व्यवस्था अनुसार यस गाउँ/नगरपालिकाले सहभागितामूलक प्रक्रिया अपनाई विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गरेको छ। विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्दा अवलम्वन गरिएको प्रक्रियागत ढाँचा देहाय बमोजिम रहेको छः

अधारभूत अध्ययन

e"t

कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई

परिमार्जित मस्यौदा तयारी

योजनाको परीक्षण

प्रारम्भिक मस्यौदा तयारी

कार्यशाला

माथि उल्लिखित ढाँचामा योजना तर्जुमाका चरणहरुको सङ्क्षेपमा तल चर्चा गरिएको छः

### **१.३.१ गाउँ/नगर विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक**

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयारीका लागि सर्वप्रथम मिति ……....…. मा गाउँ/नगरपालिकाको विपद् व्यवस्थापन समितिले तयारी बैठकको आयोजना गरेको थियो। बैठकले योजना तर्जुमा गर्न ….... वटा विषयक्षेत्रहरुको निर्धारण गर्नुका साथै विगतका विपद्का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्‍क, प्रकोप नक्सा, सङ्‍कटासन्नता तथा जोखिम आंकलन, पूर्वानुमान एवम् पूर्वसूचना प्रणाली र विपद् सम्बन्धी विद्यमान सन्दर्भ सामग्रीको समीक्षा गर्न र योजना तर्जुमा प्रक्रियामा प्राविधिक सहयोग गर्नका लागि अनुभव प्राप्त विज्ञ समेत रहेको प्राविधिक कार्यसमूह (Technical Working Group) गठन गरेको थियो। प्राविधिक कार्यसमूहको बैठकको कार्यसूची **अनुसूची-१** मा संलग्न छ। स्थानीय विपद्‍ व्यवस्थापन समितिको बैठकले कार्य समूहलाई काम, कर्तव्य र जिम्मेवारी सहित **अनुसूची-२** बमोजिमको कार्यादेश प्रदान गरेको थियो। बैठकले स्थानीय तहमा कार्यरत सरोकारवाला र साझेदार संस्थाको पहिचान तथा सूचीको प्रस्ताव तयार गरी सूचीलाई पूर्णता प्रदान गर्ने विषयलाइ कार्यसमूहको जिम्मेवारीमा समावेश गर्ने निर्णय समेत गरेको थियो। यसरी पहिचान गरिएका सरोकारवाला निकायहरूको विवरण **अनुसूची-३** मा समावेश गरिएको छ।

### **१.३.2 आधारभूत अध्ययन**

स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिबाट स्थानीय विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी मौजुदा नीति, योजनाहरू, विपद्का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्‍क र प्रकाशनहरू, प्रकोप नक्सा लगायत अन्य सान्दर्भिक सामग्रीहरुको पुनरावलोकन र समीक्षा गरी विपद् जोखिम सम्बन्धी आधारभूत अध्ययन (Baseline Study) र विश्लेषण गरिएको थियो। योजना तर्जुमाका क्रममा देहाय बमोजिमका तथ्याङ्‍क, दस्तावेज, प्रकाशन र अभिलेखहरुको समेत अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको थियोः-

* विपद्‍ व्यवस्थापन सम्बन्धी सङ्‍घ, प्रदेश र स्थानीय तहका नीति, ऐन, नियम तथा निर्देशिका,
* विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन राष्ट्रिय रणनीति, २०७५ तथा प्रदेश र स्थानीय तहको रणनीतिक कार्ययोजना,
* विगत ..... वर्षको *(पाँच वर्ष वा सो भन्दा बढी अवधिको प्रवृत्ति विश्लेषण गर्न उपयुक्त हुने)* विपद्का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्‍क र प्रकाशनहरू, प्रकोप नक्सा, सङ्‍कटासन्नता तथा जोखिम आंकलन, पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली सम्बन्धी तथ्याङ्‍क, दस्तावेज, प्रकाशन र अभिलेखहरु,
* विगतको विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य योजना *(उपलब्ध भएमा मात्र)* तथा विषयक्षेत्रगत आकस्मिक योजनाहरू,
* विपद्सँग सम्बन्धित प्रतिवेदनहरू,
* स्थानीय विपद्को इतिहास (भूकम्प, बाढी, पहिरो, आगलागी, महामारी, सडक दुर्घटना आदि),
* विपद् व्यवस्थापनको विगतको अभ्यास, अनुभव तथा सिकाई,
* गाउँ/नगरपालिकाको प्रकोप, सङ्‍कटासन्नता तथा जोखिम लेखाजोखा प्रोफाइल,
* स्थानीय मौसम तथा बाढी पूर्वानुमान र पूर्वसूचना प्रणाली, महामारी निगरानी प्रणाली, सडक सूरक्षा कार्ययोजना,
* जनसंख्या विवरण, सडक सञ्जाल, नदी, बसोबास क्षेत्र तथा गाउँ/नगरपालिकाको सीमाना देखिने नक्सा,
* गाउँ/नगरपालिकाको आवधिक योजना, विषयक्षेत्रगत योजनाहरू, प्रतिवेदनहरू।

### **1.३.3 विषयक्षेत्र (क्लस्टर) को बैठक**

विषयक्षेत्र अन्तर्गत पर्ने सरोकारवाला निकायहरूको पहिचान, सामान्य पूर्वतयारी योजना, पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना, आपत्‍कालीन प्रतिकार्य योजनाका क्रियाकलापहरु, विषयक्षेत्रसँग सम्बन्धित स्रोतहरूको आंकलन, आवश्यकताको लेखाजोखा आदि विषयहरूमा छलफल गर्न स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको आयोजनामा बैठकहरू सञ्चालन गरिएको थियो। विषयक्षेत्रगत रुपमा योजनाको प्रस्ताव तयार गर्न विषयक्षेत्रगत समितिहरु गठन गरिएको थियो। विषयक्षेत्रको समितिहरुको बैठकको कार्यसूची **अनुसूची-४** मा प्रस्तुत गरिएको छ। विषयक्षेत्रका सदस्य संस्था (Cluster Member) र ती निकायहरुको कार्यशर्त **अनुसूची-५** मा तथा अगुवा सहयोगी संस्था (Lead SupportAgency) को कार्यशर्त **अनुसूची-६** मा समावेश गरिएको छ।

### **1.३.4 कार्यशाला गोष्ठी**

विषयक्षेत्रहरुको निष्कर्ष तथा प्राप्त योजनाको प्रस्ताव उपर छलफल गर्न स्थानीय विपद्‍ व्यवस्थापन समितिको नेतृत्वमा कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गरिएको थियो। कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गर्नु अघि स्थानीय विपद्‍ व्यवस्थापन समितिको बैठक बसी विषयक्षेत्रबाट प्राप्त निष्कर्ष तथा योजनाको प्रस्तावमा पर्याप्त छलफल र आवश्यक परिमार्जन गरिएको थियो। कार्यशालामा विषयक्षेत्रहरुको बैठकबाट प्रस्तावित विवरण तथा योजनाउपर छलफल गरी सुझाव सङ्‍कलन गरिएको थियो। कार्यशाला गोष्ठीको कार्यसूची **अनुसूची-७** मा संलग्न रहेको छ।

मिति .......... देखि ….....… सम्म सञ्चालित कार्यशाला गोष्ठीमा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिका सदस्यहरू, विषयक्षेत्रका सदस्य सङ्‍घ/संस्थाहरू साथै राजनैतिक दल, निजी क्षेत्रका प्रतिनिधिहरु, विज्ञ, पत्रकार, सङ्‍कटासन्न समुदाय लगायतका सरोकारवालाहरुको सहभागिता रहेको थियो। कार्यशालाको सञ्चालन तथा सहजीकरण विज्ञ कार्यसमूहले गरेको थियो। योजना तर्जुमा प्रक्रियामा मानवीय सहायतामा संलग्न सरकारी निकाय तथा राष्ट्रिय एवम् अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरुबाट सहयोग उपलब्ध रहेको थियो।

### **1.३.5 योजनाको मस्यौदा तयारी**

उपलब्ध नीति, कानून तथा दस्तावेजको अध्ययन तथा विश्लेषण, विषयक्षेत्रहरूको छलफल र द्वितीय स्रोतबाट सङ्‍कलन गरिएका सूचनाहरू र कार्यशाला गोष्ठीबाट प्राप्त निष्कर्ष र सुझाव समावेश गरी गाउँ/नगरपालिकाको विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको प्रस्तुत मस्यौदा तयार गरिएको छ।

### **1.३.6 योजनामा प्रस्तावित क्रियाकलापको परीक्षण**

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको मस्यौदामा प्रस्ताव गरिएका मुख्य क्रियाकलापहरु उपयुक्त भए नभएको र त्यस्तो क्रियाकलाप कार्यान्वयन गर्ने क्षमता गाउँ/नगरपालिका तहमा उपलब्ध भए नभएको सुनिश्चित गर्न सरोकारवालाहरूको सहभागितामा कृत्रिम घटना अभ्यास (Simulation Exercise) मार्फत परीक्षण समेत गरिएको थियो। यस्तो परीक्षणबाट प्राप्त भएका पृष्ठपोषणलाई पनि यस योजना तर्जुमाको क्रममा ध्यान दिइएको छ।

### **1.३.7 पृष्ठपोषण सङ्‍कलन र अन्तिम मस्यौदा तयारी**

कार्यशाला तथा कृत्रिम घटना अभ्यास समेतबाट प्राप्त पृष्ठपोषणका आधारमा तयार भएको विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको मस्यौदामा सरोकारवाला निकाय, सङ्‍घ संस्था र विज्ञहरूको सुझाव लिईएको थियो। यसरी प्राप्त भएका सुझावलाई स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिले पूनरावलोकन गरी विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनालाई अन्तिम रुप दिईएको छ।

# **परिच्छेद दुई**

# **विपद् जोखिम र व्यवस्थापनको अवस्था**

## **२.1 गाउँ/नगरपालिकाको संक्षिप्त परिचय**

........... गाउँ/नगरपालिका ................ प्रदेश अन्तर्गत ............ जिल्लामा पर्दछ। यो गाउँ/नगरपालिका पूर्वमा ..................., पश्चिममा ...................., उत्तरमा .................. र दक्षिणमा ................... सीमानाभित्र अवस्थित रहेको छ। यो गाउँ/नगरपालिका समुद्री सतहबाट .......... देखि ......... मिटरसम्मको उचाईमा अवस्थित छ। सङ्‍घीय राजधानी काठमाण्डौंबाट करिव ...... किलोमिटर, प्रदेश राजधानी ............... बाट ......... किलोमिटर र जिल्ला सदरमुकामबाट ‍......... किलोमिटर दूरीमा रहेको छ। ....... वटा वडा रहेको यस गाउँ/नगरपालिकाको क्षेत्रफल ............ वर्ग किलोमिटर रहेको छ। यस गाउँ/नगरपालिकाको केन्द्र ‍वडा नम्बर ‍ ...... को ‍ ............... मा रहेको छ।

विक्रम सम्वत २०...... को जनगणना अनुसार यहाँको घरधुरी सङ्ख्या .......... र जनसङ्ख्या .............. (महिलाः ........ र पुरूषः ......) रहेको छ। यस गाउँ/नगरपालिकाबाट ....... सालमा गरेको सर्वेक्षण अनुसार हालको कूल घरपरिवार सङ्ख्या ............... र जनसङ्ख्या ............... पुगेको छ। यो गाउँ/नगरपालिका *तराई/चुरे/भित्री मधेश/महाभारत/हिमाली क्षेत्रको समथर/भिरालो* भूभागमा अवस्थित छ। यस गाउँ/नगरपालिकाको हावापानी *उपोष्ण/समशितोष्ण/शितोष्ण* रहेको छ। यहाँको अधिकतम तापक्रम ....... डि.से. सम्म पुग्ने र न्यूनतम तापक्रम ..... डि.से. सम्मपुग्ने गरेको छ। यसैगरी औसत वार्षिक वर्षा ......... मिलिमिटर हुने गर्दछ र अधिकतम वर्षा ........ मिलिमिटर सम्म रेकर्ड गरिएको छ।

## **2.२ गाउँ/नगरपालिकामा विद्यमान प्रमुख प्रकोपहरु**

यस गाउँ/नगरपालिकाको विद्यमान प्रमुख प्रकोपहरूमा बाढी, पहिरो, भूकम्प, महामारी, हावाहुरी, मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व, आगलागी, सुख्खा/खडेरी, शीतलहर, असिनापानी, चट्‍याङ, सडक दुर्घटना, ............ आदि पर्दछन्। गाउँ/नगरपालिकाको विपद् जोखिम प्रोफाइल अनुसार .......... प्रकोपबाट यस क्षेत्रमा जनधनको सबैभन्दा बढी क्षति हुने गरेको छ। त्यसैगरी महामारी, हावाहुरी, कृषि बालीमा हुने रोग, पशुरोग, आगलागी, शीतलहर, खडेरी, असिनापानी, मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व, सडक दुर्घटना, ….......…. जस्ता प्रकोपहरूबाट पनि हरेक वर्ष जनधनको क्षति हुने गरेको छ।*(यस खण्डमा गाउँ/नगरपालिका भित्र विद्यमान प्रमुख प्रकोपहरुलाई गर्ने)*

## **2.३ विगतका विपद्‌को अवस्था विश्लेषण**

यस गाउँ/नगरपालिकाको विपद्को अवस्था विश्लेषण गर्दा सबैभन्दा बढी क्षति .......... ले गरेको छ, जसको पूनरावृत्ति पनि उच्च रहेको छ। मूलतः बाढी/पहिरोले घरजग्गा डुवान गर्ने, खेतियोग्य जमिन तथा सामुदायिक वनको जमिन कटान/पटान गर्ने गरेको र यसबाट अस्थायी वा स्थायी रूपमा वर्षेनी ........... जनसङ्ख्या विस्थापित हुने गरेका छन्। *(यस खण्डमा गाउँ/नगरपालिका भित्र विगतमा भएका प्रमुख विपद्‌का घटना र सोबाट भएको क्षतिलाई उल्लेख गर्ने)।*

त्यस बाहेक कोभिड-१९, डैंगु, झाडापखाला जस्ता महामारी, हावाहुरी, मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व, शीतलहर, सुख्खा/खडेरी, आगलागी, चट्याङ, सडक दुर्घटना जस्ता प्रकोपबाट पनि उल्लेख्य मात्रामा क्षति भएको छ।*(यस खण्डमा गाउँ/नगरपालिका भित्र विगतमा भएका अन्य विपद्‌का घटनाहरु उल्लेख गर्ने)।*

यस गाउँ/नगरपालिका क्षेत्रमा गत वर्षमा ..... पटक भन्दा बढी प्राकृतिक, गैर प्राकृतिक तथा जलवायु र गैरजलवायुजन्य साना र ठूला प्रकोप तथा विपद्का घटनाहरू घटेका छन्। यस गाउँ/नगरपालिकामा आवृत्ति र गम्भिरताको आधारमा अन्य प्रकोप तथा घटेका विपद्का घटनाहरुको तुलनामा ......... को असर तथा प्रभाव बढी देखिएको छ जसको कारणले जनधन, व्यक्तिगत सम्पत्ति र अन्नपात समेत क्षति हुने गरेको छ। यस्ता प्रकोप तथा विपद्‌बाट विपन्न वर्ग, समुदायको आर्थिक अवस्था थप कमजोर बन्ने गरेको छ। यसरी विपद्‌को चपेटामा पर्ने घरपरिवार तथा समुदायलाई उत्थानशील र अनुकुलित बनाउन आवश्यक छ।

### **2.३.1 विपद्को ऐतिहासिक समय रेखा:**

यस गाउँ/नगरपालिकामा विगत तीस वर्ष यता विभिन्न समयमा घटेका प्राकृतिक, गैह्रप्राकृतिक, जलवायुजन्य विपद्का घटनाहरुको ऐतिहासिक समय रेखा, सोको प्रभाव र प्रभावित क्षेत्र, पूर्वतयारी र प्रतिकार्यका लागि गरिएका प्रयासलाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

| **विपद्** | **घटनाको वर्ष** | **विषयक्षेत्रमा परेको प्रभाव** | **प्रभावित स्थान/क्षेत्र** | **विपद् व्यवस्थापनका लागि गरिएका प्रमुख प्रयासहरु** |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| बाढी/पहिरो |  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| महामारी |  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| हावाहुरी |  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| ======== |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

स्रोतः जलवायु तथा विपद् जोखिम पार्श्वचित्र २०..,......गाउँ/नगरपालिका*(वा अन्य उपयुक्त स्रोत उल्लेख गर्ने)*

### **2.३.2 विपद्को आवृत्ति र गम्भिरता**

यस गाउँ/नगरपालिकामा विगत तीस वर्ष यताका विपद्हरुको आवृत्ति र गम्भिरताको संक्षिप्त विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **विपद् विवरण** | **आवृत्ति (Frequency)** | **गम्भिरता (Intensity)** | **कैफियत** |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | बाढी | ............... पटक |  |  |
| २ | पहिरो | ............... पटक |  |  |
| ३ | महामारी | ............... पटक |  |  |
| ४ | हावाहुरी | ............... पटक |  |  |
| ५ | शितलहर/हिमपात | ............... पटक |  |  |
| ६ | बाली तथा पशुरोगजन्य महामारी | ............... पटक |  |  |
| ७ | मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व | ............... पटक |  |  |
| ८ | खडेरी |  |  |  |
| ९ |  |  |  |  |
| १० |  |  |  |  |

स्रोतः जलवायु तथा विपद् जोखिम पाश्र्वचित्र २०७६, ........गाउँ/नगरपालिका*(वा अन्य उपयुक्त स्रोत उल्लेख गर्ने)*

### **2.३.3 विपद्‌बाट भएको क्षतिको विवरण:**

यस गाउँ/नगरपालिकामा विगत तीस वर्षमा विभिन्न विपद्‌बाट भएको क्षतिको विवरण देहाय अनुसार रहेको छ:

| **क्र.सं.** | **विपद्को किसिम** | **क्षतिको विवरण** | **मानवीय क्षति** | **अनुमानित आर्थिक क्षति (रु. लाखमा)** |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| १. | बाढी |  |  |  |
| २. | पहिरो |  |  |  |
| ३. | महामारी |  |  |  |
| ४. | हावाहुरी |  |  |  |
| ५. | शितलहर/हिमपात |  |  |  |
| ६. | बाली तथा पशुरोगजन्य महामारी |  |  |  |
| ७. | मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व |  |  |  |
| ८. | खडेरी |  |  |  |
| ९. |  |  |  |  |
| १०. |  |  |  |  |

स्रोतः जलवायु तथा विपद् जोखिम पाश्र्वचित्र २०..., ........गाउँ/नगरपालिका*(वा अन्य उपयुक्त स्रोत उल्लेख गर्ने)*

विक्रम सम्वत् २०७६ सालको माघ देखि शुरु भएको कोभिड-१९ महामारीले .................. सम्ममा यस गाउँ/नगरपालिकामा .......... जनामा संक्रमण भएको र सोबाट ........... जनाको मृत्य भएको छ। साथै यसबाट आर्थिक सामाजिक क्षेत्र समेत उल्लेख्य मात्रामा प्रभावित भएको छ।

विगत पाँच वर्षमा हावाहुरीले ........ जनाको मृत्यु, ........ जना घाईते, ......... घरहरु पूर्ण/आंशिक क्षति, ......... वटा विद्यालयका भवनहरू पूर्ण/आंशिक क्षति, ....... वटा अन्य भौतिक संरचनाहरू क्षति भएको छ भने ...... घरपरिवार प्रभावित भएका छन्। हावाहुरीले सामान्य रूपमा हरेक वर्ष क्षति पुर्‍याउने गरेको भएता पनि विक्रम सम्वत् ...... मा आएको हावाहुरीले सबैभन्दा बढी क्षति गरेको थियो, जसमा ...... जनाको मृत्यु र ....... जना घाईते हुनुको साथै ........ घरधुरीलाई क्षति पुर्‍याएको थियो।

उपलब्ध तथ्याङ्‍क अनुसार विगत पाँच वर्षमा भाएका आगलागीका घटनाबाट ......... जनाको मृत्यु भएको, ......... जना घाईते भएको, ........... घरगोठ जलेर नष्ट भएको, घरमा भण्डारण भएको ............ अन्न जलेको र ....... वटा सामुदायिक वनमा आगलागी भएको पाईएको छ।

खडेरी/सुख्खापन दिन प्रतिदिन बढदै गएको छ। पानीको माग बढे अनुरूप आपूर्ति हुन नसकेको अवस्था छ। *(खडेरीले यस गाउँ/नगरपालिकामा पुर्‍याएको असर तथाप्रभाव बारे समुदायबाट थप सूचना लिई उल्लेख गर्ने।)*

जङ्गली जनावरहरूको लागि आवश्यक र पर्याप्त खानेकुराको अभाव बढ्दै गएकोले यस्ता जनावरहरू वस्तीमा आई खेतिबाली नष्ट गर्ने क्रम बढ्दै गएको छ। छाडा छोडिएका पशुचौपायाहरूले समेत खेतमा लगाएको अन्नबाली नष्ट गर्ने गरेका छन्। तरकारी, अन्नबाली र पशुचौपायाहरूमा रोग/किटाणुको समस्या बढ्दै गएको छ। जलवायु परिवर्तनका कारण भविष्यमा मौसमजन्य प्रकोपहरूको प्रकृति, मात्रा र यसबाट हुने क्षति अझै बढ्न सक्ने अनुमान गरिएको छ।

## **2.४ सम्भाव्य प्रकोप तथा सम्भावित प्रभाव क्षेत्र**

यस गाउँ/नगरपालिकाका ...... वटा वडाका ..... वस्ति, ...... कृषि क्षेत्र र ...... वन क्षेत्रहरू बाढी/पहिरोको जोखिममा रहेका छन्। विश्वव्यापी महाव्याधी कोभिड-१९ को असर सबै वडामा रहेको भएता पनि ........... मा यसको जोखिम बढी देखिन्छ। हावाहुरी, शीतलहर, असिनापानी, खडेरीबाट प्रायः सबै वडाहरूमा असर पर्न सक्छ। जङ्गली जनावर र छाडा पशुचौपायाबाट जनधनमा क्षति हुने सम्भावना ...., .... वडाहरूमा बढी देखिन्छ। वनमा हुने आगलागीबाट ....., ...... वडाहरूमा बढी असर पर्ने देखिन्छ। भूकम्पबाट हुन सक्ने क्षतिबाट भने सबै वडाहरू र जनसंख्या प्रभावित हुने अवस्था छ। यी प्रकोपहरूको वर्तमान प्रभाव क्षेत्र तथा सम्भावित जोखिमको नक्साङ्‍कन गर्ने कार्य*बाँकी रहेको/सम्पन्न भएको* छ।

## **2.५ प्रकोपहरुको सम्भाव्य जोखिम विश्लेषण**

यस गाउँ/नगरपालिकामा रहेका घरहरूको बनावट हेर्दा ........... रेक्टर स्केल म्याग्नेट्युडको भूकम्प गएमा कम्तिमा .......... घरहरू बस्न नमिल्ने गरी भत्कन सक्ने सम्भावना आंकलन गरिएको छ। यस क्षेत्रमा बाढी/पहिरोले विगत वर्षहरूमा धेरै क्षति गरेको छ। विगत ....... वर्षको जत्तिकै ठूलो वर्षा भएमा ....... घरपरिवारहरू (........ जना) प्रत्यक्ष प्रभावित हुनसक्ने देखिन्छ।

यस क्षेत्रमा जलवायु परिवर्तनको प्रक्षेपण अनुसार भविष्यमा वर्षा हुने दिनहरू घट्ने तर कूल वर्षा ...... देखि ...... प्रतिशत सम्म बढ्न सक्ने आंकलन भएकोले भविष्यमा बाढी पहिरोको जोखिम बढ्ने सम्भावना देखिन्छ। अब्यवस्थित बसोवास तथा कमजोर भौतिक संरचना निर्माणको क्रम बढ्दै गएकोले यसबाट जोखिम पनि बढ्न सक्ने देखिएको छ। तसर्थ, कम्तिमा पनि ......... हजार भन्दा बढी घरधुरी (करिव .........हजार जनसंख्या) लाई आपत्‍कालीन व्यवस्था गर्न सक्ने गरी बाढीपहिरोको विपद् पूर्वतयारी गर्न आवश्यक देखिन्छ।

विगतको हावाहुरीको प्रवृत्ति हेर्दा यसबाट ...... घरधुरी (करिब ....... जनसंख्या) प्रभावित हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ। त्यसैगरी शीतलहरले करिब ....... मानिसहरू, हिउँदे खेतिबाली र पशुचौपायाहरू प्रभावित हुन सक्ने देखिन्छ। हावाहुरी तथा शीतलहरको कारण आवश्यक कपडा र खानेकुराको अभाव भई बाह्य सहयोग चाहिने जनसङ्ख्या ....... अनुमान गरिएको छ।

सुख्खा/खडेरीले वर्षेनी अन्नबाली उत्पादनमा कमि आएको देखिन्छ। हिउँद याममा पानीको मूल र तालतलैया सुक्दै गएको र बढ्दो तापक्रमको कारणले भविष्यमा यस क्षेत्रमा सुख्खा/खडेरीको अवस्था झन् जटिल हुन सक्नेछ। अनुमानित ...... जनसङ्ख्याका लागि खडेरीका कारण हुने विपद्‍ पूर्वतयारी गर्नु पर्ने हुन सक्दछ।

वन जङ्गल विनाशका कारण पर्याप्त खानेकुराको अभावमा जङ्गली जनावर वस्तीमा आउने क्रम बढेको र यसबाट अन्नबाली नोक्सानीका घटना बढिरहेको गुनासाहरू आउने गरेका छन्। भविष्यमा बाढी, सुख्खा/खडेरी, आगलागी, मिचाहा प्रजातीको वनस्पतीको प्रकोप आदिका कारण वनमा जनावरको लागि आवश्यक चरिचरन तथा वासस्थानको थप विनाश भई खेतिबाली र वस्तीमा जङ्गली जनावरहरू आउने क्रम अझ बढ्न सक्ने देखिन्छ। यसबाट मानव तथा वन्यजन्तुबीच द्वन्द्व बढ्दै जानसक्ने सम्भावना देखिएको छ। हरेक वर्ष खडेरी लगातार बढ्दै गएमा कतिपय वन्यजन्तुको सङ्ख्या घट्ने वा मासिन सक्ने सम्भावना समेत रहेको छ। संरक्षणका प्रयासहरूले मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व समाधान गर्न सकिने हुँदा यस तर्फ विशेष ध्यान दिन जरुरी देखिएको छ। मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्वबाट वार्षिक .......... जना घाईते, ...... जनाको मृत्यु हुनाका साथै रु ........ बराबरको सम्पत्तिको क्षति हुन सक्ने सम्भावना देखिन्छ।

विकास तथा जीविकोपार्जनको लागि गरिने क्रियाकलापहरु जोखिम न्यूनीकरण गर्ने, उत्थानशील क्षमता अभिवृद्धि गर्ने र जलवायु परिवर्तनको असरको सामना गर्न अनुकूल हुनेगरी सञ्चालन गर्ने व्यवस्था नमिलाएसम्म अन्य प्रकोपहरूबाट पनि यस गाउँ/नगरपालिकामा जोखिम बढ्ने सम्भावना देखिन्छ।

## **2.६ पूर्वसूचना प्रणालीको अवस्था**

यस गाउँ/नगरपालिकामा बाढी, पहिरो, डढेलो, ..... प्रकोपको पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना गरिएको छ/छैन। स्थानीय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्रको जिल्ला, प्रदेश तथा राष्ट्रिय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्रसँग सम्पर्क स्थापित गरी सूचना आदान प्रदान गर्ने गरिएको छ/छैन। तल्लो तटीय क्षेत्रमा बस्ने समुदायले माथिल्लो तटीय क्षेत्रमा बस्ने समुदायबाट नदी सतह गेज रिडरलाई सिधै सम्पर्क गरी सूचना प्राप्त गर्ने गरिएको छ/छैन।*(यस खण्डमा गाउँ/नगरपालिकामा पूर्वसूचना प्रणालीको व्यवस्था भए नभएको अवस्था चित्रित गर्ने)*

## **2.७ नीतिगत,कानूनी तथा संस्थागत व्यवस्था**

यस गाउँ/नगरपालिकाको विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, ....... को आधारमा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गरिएको छ। समितिमा हाल रहेका पदाधिकारीहरूको विवरण **अनुसूची-८** मा संलग्न छ। स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति अन्तर्गत ........ वटा विषयक्षेत्र हेर्न अगुवा संस्था तोकी सम्बन्धित विषयक्षेत्रको योजना तर्जुमा र समन्वयको जिम्मेवारी प्रदान गरिएको छ। विषयक्षेत्रका अगुवा संस्था र तिनमा कार्यरत पदाधिकारीहरूको विवरण **अनुसूची-९**मा संलग्न गरिएको छ।

यस गाउँ/नगरपालिकामा वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा/इकाई स्थापना गरिएको छ। ...... वटा वडामा वडास्तरीय विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गरिएको छ। यस गाउँ/नगरपालिकामा विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना गरिएको छ। सो कोषमा आर्थिक वर्ष ...... मा गाउँ/नगरपालिका र अन्य श्रोतबाट गरी रकम रु. ........ जम्मा भएको छ। कोष सञ्चालन तथा परिचालनको लागि स्थानीय विपद्‍ व्यवस्थापन कोष सञ्चालन कार्यविधि तर्जुमा गरिएको छ। यस वाहेक गाउँ/नगरपालिकामा विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, ऐन, नियम, मार्गदर्शन तथा आवश्यक मार्गदर्शनहरू बनेका/बन्ने क्रममा रहेका छन्। *(यस खण्डमा गाउँ/नगरपालिकामा विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी नीतिगत, कानूनी र संस्थागत व्यवस्था बारे चित्रण गर्ने)*

## **2.८ विषयक्षेत्र तथा कार्य जिम्मेवारी**

यस गाउँ/नगरपालिकाले विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनका लागि देहाय बमोजिमका ..... वटा विषयक्षेत्र निर्धारण गरी देहाय बमोजिमका कार्य जिम्मेवारी प्रदान गरेको छ:

### **2.८.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्र**

यस विषयक्षेत्रले विपद्को समयमा सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूसँग समन्वय कायम गर्ने, विपद्को अवस्था आउनसक्ने पूर्वसूचना प्राप्त भएपछि स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट सूचना सम्प्रेषण गर्ने, प्रकोपको कारण समस्यामा परिरहेका वा घाईतेलाई उद्धार गर्ने, हराएकाहरूको खोजी गर्ने, मानिसको मृत्यु भएमा सनाखत गरी शव व्यवस्थापन (वा हस्तान्तरण) को प्रवन्ध मिलाउने, पीडितहरूलाई राहत वितरण गर्ने जस्ता जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

### **2.८.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्र**

यो विषयक्षेत्रले विपद्‍को अवस्थामा पीडितहरूलाई तत्काल खानेकुरा, विस्थापित भई शिविरमा बसेकालाई चामल, दाल, नुन, तेल आदि खाद्य सामग्री उपलब्ध गराउने, खानेकुरा पकाउनको लागि आवश्यक प्रवन्ध मिलाउने र कृषि क्षेत्रमा भएको क्षति विवरण तयार गर्ने जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

### **2.८.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्र**

यस विषयक्षेत्रले विपद्‍मा घाईते भएकाहरूको प्राथमिक उपचार गर्ने, महामारी हुनबाट बचाउने विधिहरू अवलम्वन गर्ने, शिविरमा उपचार गर्न नसकिने प्रकृतिका स्वास्थ्य समस्या भएका विरामी वा घाईतेलाई अस्पतालसम्म पुर्‍याई स्वास्थ्य उपचारको सुनिश्चितता गर्ने, महिला तथा बालबालिकामा पोषणको कमी भएमा त्यसबाट हुनसक्ने समयस्याबारे पीडित र सरोकारवालालाई सचेत गर्ने जस्ता जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ। साथै यस विषयक्षेत्रले कोभिड-१९ लगायतका महाव्याधीको संक्रमण, रोकथाम र व्यवस्थापनको कार्य समेत गर्नेछ।

### **2.८.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्र**

यस विषयक्षेत्रले विपद्को अवस्थामा खानेपानी आपूर्ति गर्ने, विपद्का कारण ढलेका बोटबिरूवाहरू हटाउने, विपद्जन्य घटनाबाट सिर्जना भएका फोहोरहरू सरसफाई गर्ने, मरेका पशुपंक्षीहरूको व्यवस्थापन गर्ने, व्यक्तिगत सरसफाईको लागि स्वच्छता सम्बन्धी सरसामानहरू (जस्तैः हाईजिन किट, पियुष, क्लोरिन, डस्टविन, ....) उपलब्ध गराउने जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

### **2.८.5 आपत्‍कालीन आश्रय तथा गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्र**

यो विषयक्षेत्रले विपद्‍को कारण घरमा क्षति पुगी बस्न नसक्ने अवस्थामा रहेका पीडितहरूलाई आपत्‍कालीन आश्रय वा बासको लागि अस्थायी संरचना निर्माण गर्ने, पीडितहरूलाई त्रिपाल, भाँडाकुँडा, लत्ताकपडा जस्ता गैर–खाद्य सामग्री वितरण गर्ने जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

### **2.८.6 संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्र**

यस विषयक्षेत्रले विपद्‍को समयमा महिला, गर्भवती महिला, सुत्केरी, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू, शिशु, बालबालिका, बृद्धबृद्धाहरूलाई संरक्षण गर्ने, उनीहरूको आवश्यकता बमोजिमका सरसामानहरू जस्तैः सेनेटरी प्याड, खेलकुदका सामान आदि उपलब्ध गराउने, घरपरिवारका सदस्य गुमाएकाहरू तथा विपद्का कारण त्रसित व्यक्तिहरूलाई मनोसामाजिक परामर्श सेवा दिने र हिंसामुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने जस्ता जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

### **2.८.7 आपत्‍कालीन शिक्षा क्षेत्र**

यस विषयक्षेत्रले विपद्को कारण विद्यालय तीन दिनभन्दा बढी बन्द भएमा विद्यार्थीहरूलाई आपत्‍कालीन शिक्षाको व्यवस्था गर्ने, प्रकोपले विद्यार्थीको पठनपाठनका शैक्षिक सामग्री हराए वा क्षति पुर्‍याएमा सोको व्यवस्था गर्ने र विद्यालयको शिक्षण सामग्रीहरू नष्ट भएमा पुनः व्यवस्था गर्ने जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

### **2.८.8 शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्र**

यस विषयक्षेत्रले विपद्को कारण अवरूद्ध हुन पुगेका अत्यावश्यक सेवाहरू (जस्तैः सडक, विद्युत, खानेपानी, टेलिफोन) तत्काल सुचारू गर्ने र त्यस्ता सेवा प्रदान गर्ने निकायका कार्यालयहरूमा क्षति पुगेमा वैकल्पिक व्यवस्था गर्ने, सामाजिक आर्थिक पूर्वाधार र अवस्थालाई चलायमान बनाई जनजीवनलाई सामान्य बनाउने जिम्मेवारी निर्वाह गर्नेछ।

माथि उल्लिखित विषयक्षेत्र अन्तर्गत क्रियाशील रहेका सरोकारवाला निकाय तथा संस्थाहरूको विवरण **अनुसूची-१०** मा संलग्न गरिएको छ।

# परिच्छेद तीन

# पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना

## **3.1 सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद्को स्थितिमा प्रतिकार्य गतिविधिहरू समयमै कार्यान्वयन गर्न संस्थागत क्षमता लेखाजोखा गरी सोको तयारी आवधिक रुपमा अद्यावधिक गर्न जरुरी हुन्छ। सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुमा विपद् घटना अगावै प्रायः सबै प्रकोपका लागि गर्नुपर्ने जोखिम न्यूनीकरण, पूर्वतयारी र विपद् प्रतिकार्य गर्न संस्थागत तथा भौतिक संरचना, मेशिन र औजार, सीप विकास, जनचेतना, कृत्रिम घटना अभ्यास जस्ता क्रियाकलापहरु समावेश गरिएका छन्। यस विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अद्यावधिक गर्नु पनि विपद् पूर्वतयारी कार्य नै हो। विपद् प्रतिकार्यका कार्यहरूलाई प्रभावकारी बनाउन विषयक्षेत्रगत रुपमा सामान्य पूर्वतयारीको कार्ययोजना देहाय बमोजिम हुने गरी तर्जुमा गरिएको छ:

### **3.1.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै प्रायः सबै प्रकोपका लागि गर्नुपर्ने समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरु** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | विपद्‍ पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अद्यावधिक गर्ने | प्रत्येक वर्ष असोज सम्म | गाउँ/ नगरपालिका | प्रत्येक आर्थिक वर्षमा | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति |
| २ | विपद्को क्षति, नोक्सानी मूल्याङ्‍कनको लागि सर्वेक्षण टोली गठन र पुनर्गठन गर्ने र आवश्यकता बमोजिम सर्वेक्षणका लागि सहायक टोलीहरू गठन गर्ने र तालिम आयोजना गर्ने | प्रत्येक वर्ष मनसुन शुरु हुनु पूर्व  | गाउँ/ नगरपालिका र हरेक वडामा | गाउँ/ नगरपालिकामा एक र हरेक वडामा एक एक वटा | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, वडा स्तरीय विपद् व्यवस्थापन समिति |
| ३ | प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा, क्षति लेखाजोखा गर्न विस्तृत घरधुरी सर्वेक्षण फाराम तयार गर्ने  | प्रत्येक वर्ष कार्तिक सम्म | गाउँ/ नगरपालिका  | ....... प्रति | सामाजिक विकास शाखा |
| ४ | राहत वितरणका लागि सिफारिस फाराम लगायतका कागजात तयारी तथा अद्यावधिक गर्ने | प्रत्येक वर्ष मंसिर सम्म | गाउँ/ नगरपालिका  | ....... प्रति | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा |
| ५ | प्रकोपको प्रकृति अनुसार खोज तथा उद्धारका लागि टोली गठन गर्ने  | प्रत्येक वर्ष कार्तिक सम्म | वडा तहमा | हरेक वडामा एक | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा,वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र |
| ६ | खोज तथा उद्धारका लागि गठित टोलीको निमित्त तालिम आयोजना गर्ने र परिचालन हुने प्रक्रिया निर्धारण गर्ने | प्रत्येक वर्ष पौष सम्म | वडा तहमा | हरेक वडामा एक | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, सूरक्षा निकाय, विषयक्षेत्र |
| ७ | खोज तथा उद्धार सामग्रीहरू खरिद, भण्डारण, मर्मत र व्यवस्थापन गर्ने | निरन्तर | निरन्तर | हरेक वडामा कम्तिमा एक सेट | गाउँ/नगरपालिका, स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा |
| ८ | खोज तथा उद्धारका लागि प्रयोग गर्न सकिने सवारी साधनहरू र एम्बुलेन्सहरूको सूची र सम्पर्क व्यक्तिको विवरण तयार गर्ने | निरन्तर | गाउँ/ नगरपालिका  | ..... वटा एम्वुलेन्स | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, स्वास्थ शाखा |
| ९ | बाढी÷पहिरो, भूकम्पबाट बच्न र बचाउन सुरक्षित स्थानको पहिचान गरी अध्यावधिक सूची तयार गर्ने | निरन्तर | वडा अनुसार | आवश्यकता अनुसार हरेक वडामा | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा |
| १० | आपत्‍कालीन अवस्थामा प्रयोग गर्ने स्थलहरूको सूची स्थानीय राजपत्रमा प्रकाशित गर्ने | तत्काल सुरु गरी निरन्तर | तोकिएको मापदण्ड अनुसार | प्रत्येक वडामा | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय |
| ११ | आपत्‍कालीन अवस्थामा आश्रय स्थलका रुपमा प्रयोग गर्ने स्थानको लागि चाहिने भौतिक पूर्वाधार र सेवाहरू निर्माण, बिस्तार गर्ने | तत्काल सुरु गरी निरन्तर | तोकिएको मापदण्ड अनुसार | प्रत्येक वडामा | पूर्वाधार विकास शाखा, वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र |
| १२ | प्रकोपबाट समुदायलाई बचाउन आपत्‍कालीन आश्रय भवनहरू निर्माण गर्ने | आवश्यक्ता अनुसार | हरेक वडामा जोखिममा रहेको समुदाय नजिक | ...... वटा | पूर्वाधार विकास शाखा र सम्बन्धित वडा |
| १३ | बाढी÷पहिरो, शीतलहर, हावाहुरी, भूकम्प, चट्याङ, आगलागी आदि प्रकोपहरूबाट समुदायमा पर्नसक्ने असर र सोबाट बच्ने उपायहरूका बारेमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | निरन्त | गाउँ/ नगरपालिकामा सञ्चालित एफ.एम, पत्रपत्रिका, माईकिङ् आदि | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै कम्तिमा २ पटक | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय |
| १४ | मानिसको ज्यान लिनसक्ने जङ्गली जनावरहरू (जस्तैः जङ्गली हात्ती, गैंडा आदि) बस्तीमा प्रवेश गरेमा सम्बन्धित समुदायलाई शिघ्र सूचना दिने प्रणालीको विकास गर्ने | निरन्तर | वडास्तर वा सम्भव भएसम्म वस्तीस्तर | हरेक वडामा एक | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय,समुदाय, विषयक्षेत्र |
| १३ | खोज तथा उद्धारलाई प्रभावकारी बनाउन प्रकोपमा आधारित कृत्रिम घटना अभ्यास गर्ने÷गराउने | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | गाउँ/ नगरपालिका तथा वडामा | प्रमुख प्रकोपको लागि वर्षमा कम्तिमा एक एक पटक | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै प्रायः सबै प्रकोपका लागि गर्नुपर्ने खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरु** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | विपद्को अवस्थामा खाद्यान्न खरिद तथा आपूर्तिका लागि सम्भाव्य उद्योगहरू पहिचान गर्ने साथै सहयोग लिन सकिने कार्यालय, संस्थाहरूसँग समन्वय गर्ने | निरन्तर | गाउँ/नगरपालिका | आवश्यकता अनुसार वर्षको १ वा २ पटक | कृषि शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | विपद्‌बाट प्रभावित हुनसक्ने जनसङ्ख्याको आधारमा खाद्य सामग्री (चामल, दाल, तेल, नुन आदि) भण्डारण गर्ने | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | गाउँ/ नगरस्तर | वर्षको २ पटक | कृषि शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | तयारी खानेकुराका लागि तत्काल खरिद गर्न सकिने गरी पसलहरू पहिचान गर्ने वा अनुवन्ध करार गर्ने | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | गाउँ/ नगरस्तर | कम्तिमा २ वटा ठूला पसल वा उद्योग | कृषि शाखा, वडा कार्यालय |
| ४ | विपद्को समयमा खाद्य सामग्री वितरण गर्ने तौरतरिका÷प्रक्रिया बारे विषयक्षेत्रका सदस्यहरू बीच छलफल तथा कृत्रिम घटना अभ्यास गर्ने | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | वडास्तर | मुख्य प्रकोपको सम्भावित समय भन्दा पहिले कम्तिमा १ पटक | कृषि शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै प्रायः सबै प्रकोपका लागि गर्नु पर्ने स्वास्थ्य तथा पोषण विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरु** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | विपद् पश्चात तत्काल देखा पर्ने स्वास्थ्य समस्या समाधानका लागि चाहिने औषधीहरू भण्डारण गर्ने | हरेक महिना, औषधिको गुण अनुसार | गाउँ/ नगरस्तर | २००० जनाको लागि | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | द्रुत्त प्रतिकार्य टोली (Rapid Response Team-RRT) गठन गर्ने, क्षमता विकास र कार्यसूची तयार गर्ने | स्वास्थ्य क्षेत्रको प्रोटोकल अनुसार | गाउँ/ नगरस्तर | वर्षमा १ पटक | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | प्रतिकार्यका लागि आवश्यक दक्ष मानव संशाधनको सूची तयार/अद्यावधिक गर्ने | वडा संख्या र जनसंख्या अनुसार | गाउँ/ नगरस्तर | गाउँ/नगरस्तर:३० जना वडास्तर: ७ जना | स्वास्थ्य शाखा,  |
| ४ | स्वास्थ्य सम्बन्धी शिक्षण सामग्रीको व्यवस्था तथा स्वास्थ्य शिक्षाको लागि स्वास्थ्यकर्मीको व्यवस्था गर्ने | नियमित | वडास्तर | हरेक वडामा १ पटक | स्वास्थ्य शाखा,वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र |
| ५ | कोभिड-१९ महाव्याधी लगायत महामारी रोकथाम, नियन्त्रण र परीक्षण तथा उपचार सम्बन्धी जनचेतना अभिबृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | नियमित | जोखिम युक्त वस्तिहरुमा | वर्षमा कम्तिमा ३ पटक | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै सबै प्रकोपका लागि गर्नु पर्ने खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरु** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | विपद्को समयमा खानेपानी शुद्धिकरणको लागि आवश्यक पर्ने क्लोरीन, पियुष जस्ता औषधिको उचित भण्डारण गर्ने। | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | गाउँ/ नगरस्तर | वर्षमा कम्तिमा १ पटक | खानेपानी तथा सरसफाई शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | सरसफाईका लागि आवश्यक पर्ने सामग्री तथा उपकरणहरू उपयुक्त ठाउँमा भण्डारण गर्ने। | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | गाउँ/ नगरस्तर | वर्षमा कम्तिमा १ पटक | खानेपानी तथा सरसफाई शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | खानेपानी ओसार्ने, जम्मा गर्ने र वितरण गर्ने साधनहरू मर्मत सम्भार गरी चालु अवस्थामा राख्ने। | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | गाउँ/ नगरस्तर | वर्षमा कम्तिमा १ पटक | खानेपानी तथा सरसफाई शाखा, विषयक्षेत्र |
| ४ | आपत्‍कालीन अवस्थामा प्रयोग गर्न सकिने खानेपानीको श्रोतहरू पहिचान र संरक्षण गर्ने  | निरन्तर | वडा तथा समुदायस्तरमा | हरेक प्रभावित वडाहरु | खानेपानी तथा सरसफाई शाखा, पूर्वाधार विकास शाखा, वडा कार्यलय तथा स्थानीय समुदाय |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.5 आपत्‍कालीन आश्रय र गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै प्रायः सबै प्रकोपका लागि गर्नु पर्ने आपत्‍कालिन आश्रयस्थल र गैरखाद्य सामग्री विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरु** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | विपद् प्रभावितहरूको लागि अस्थायी आश्रय वा बासको व्यवस्था गर्न आवश्यक सरसामान तथा औजारहरूको बन्दोबस्ती गर्ने। | प्रकोपको सम्भावित समय अगावै | सबै वडामा | वडाको कुल जनसंख्याको कम्तिमा २० प्रतिशत जनसंख्यालाई पुग्ने  | शहरी विकास तथा भवन निर्माण कार्यालयको सहयोगमा पूर्वाधार विकास शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| २ | सम्भावित आपत्‍कालीन अवस्था आईपरेमा तुरून्त खरिद गर्न सकिने गरी अनुबन्ध करार गर्ने। | आवश्यकताअनुसार | थोक विक्रेता/खुद्रा विक्रेता/ सहकारी/ठूला कृषक | ........... परिवारका लागि | गाउँ/नगरपालिका,कृषि शाखा,नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| ३ | अस्थायी आश्रय स्थल बनाउन सुविधायुक्त खुला क्षेत्रको व्यवस्थापन र संरक्षण गर्ने। | निरन्तर | सबै वडामा | वडाको कुल जनसंख्याको कम्तिमा २० प्रतिशत जनसंख्यालाई पुग्ने | पूर्वाधार विकास शाखार वडा कार्यालय |
| ४ | गैर–खाद्य सामग्री सेटहरू भण्डारण गर्ने। | निरन्तर | गाउँ/नगरस्तर, गोदाम घरहरु (Warehouse)  | कम्तिमा ......... परिवारका लागि | गाउँ/नगरपालिका, वडा कार्यायलनेपाल रेडक्रस सोसाईटी, विषयक्षेत्र |
| ५ | विपद् प्रभावित स्थान वा खुल्ला क्षेत्रमा शिविर सञ्चालन गर्ने स्थानमा सवारी साधनको प्रवन्ध गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | गाउँ/नगरस्तर | आवश्यकता अनुसार | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, विषयक्षेत्र |
| ६ | अस्थायी आश्रय वा बास निर्माणको लागि टोली गठन गर्ने र दक्षता अभिबृद्धिका लागि कृत्रिम घटना अभ्यास गर्ने | मनसुन सुरुहुनु भन्दा अगाडी | वडास्तर | हरेक वडामा | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.6 संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै सबै प्रकोपका लागि गर्नुपर्ने संरक्षण तथा सूरक्षा विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरु** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र ज्येष्ठ नागरिकको संरक्षणका तरिकाहरू बारे जानकारी पुस्तिका तयार एवम् प्रकाशन गर्ने। | निरन्तर  | गाउँ/ नगरस्तर | कम्तिमा ५०० प्रति  | गाउँ/नगरपालिका, महिला तथा बालबालिका शाखा |
| २ | विपद्को समयमा अत्यावश्यक सेवाका लागि चाहिने सामग्रीहरू (जस्तैः डिग्निटि किट) खरिद गरी भण्डारण गर्ने। | निरन्तर  | गाउँ/नगरका गोदाम घरहरू | यस्तो जनसंख्याको कम्तिमा २० प्रतिशतलाई पुग्ने | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | उमेर, शारीरिक र अपाङ्गताको अवस्था अनुसार गरिनुपर्ने सेवा सहयोगका लागि प्रोटोकल तयार गरी लागू गर्ने। | तत्काल  | गाउँ/नगरस्तर | १ पटक  | महिला तथा बालबालिका शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, विषयक्षेत्र |
| ४ | विद्यालयका शिक्षक र महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकालाई आधारभूत मनोसामाजिक परामर्श सम्बन्धी तालीम दिने। | प्रत्येक वर्ष १ पटक | गाउँ/नगरस्तर | हरेक विद्यालयबाट १ जना र हरेक वडाबाट २ जना महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका  | शिक्षा र स्वास्थ्य शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, विषयक्षेत्र |
| ५ | विपद्को समयमा परिचालन हुने विषयक्षेत्रका सदस्यहरूलाई कृत्रिम घटना अभ्यास गर्ने/गराउने | निरन्तर  | वडास्तरमा  | मुख्य प्रकोपको सम्भावित समय अगाडी कम्तिमा १ पटक  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, अन्य सरोकारवाला |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.7 आपत्‍कालीन शिक्षा विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै सबै प्रकोपका लागि गर्नु पर्ने आपतकालिन शिक्षा विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्वन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | बाढी, पहिरो, हावाहुरी, शीतलहरले प्रभावित गर्नसक्ने विद्यालयहरूको सूची अद्यावधिक गर्ने र संभावित क्षतिको आंकलन गर्ने। | वर्षको १ पटक  | वडास्तरमा  | सबै वडाका विद्यालय  | शिक्षा शाखा, सम्बन्धित विद्यालय  |
| २ | आपत्‍कालीन शिक्षाका लागि आवश्यक पर्ने शिक्षण सामग्रीहरू तयारी अवस्थामा राख्ने। | निरन्तर  | गाउँ/ नगरस्तर | ..... वटा विद्यालयको लागि  | शिक्षा शाखा, सम्बन्धित विद्यालय  |
| ३ | शीतलहरबाट विद्यार्थीमा हुनसक्ने प्रभावहरूको बारेमा विद्यालयमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। | निरन्तर  | विद्यालयस्तरमा  | .... वटा  | शिक्षा शाखा, सम्बन्धित विद्यालय, विषयक्षेत्र |
| ४ | सम्भावित विपद्‌बाट सुरक्षित हुने उपाय बारे विद्यालयहरूमा चेतनामूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने र एफ.एम. रेडियोबाट सन्देशमूलक कार्यक्रम प्रशारण गर्ने। | निरन्तर  | गाउँ/नगरस्तर,विद्यालयस्तर  | ... वटा विद्यालय र एफ.एम.बाट कम्तिमा १५ दिन (प्रकोपमा केन्द्रित भई)  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, शिक्षा शाखा, सम्बन्धित विद्यालय  |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.1.8 शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी योजना**

विपद् घटना अगावै सबै प्रकोपका लागि गर्नु पर्ने शीघ्र पुनर्लाभ विषयक्षेत्रको सामान्य पूर्वतयारी सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **सामान्य पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान,** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| १ | सुरक्षित स्थानमा आपत्‍कालीन प्रयोजनको लागि खानेपानी ट्याङ्की, शौचालय र हातेपम्प व्यवस्था गर्ने। | निरन्तर  | वडास्तरमा  | सबै वडाहरूमा  | पूर्वाधार विकास शाखा, वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र |
| २ | विपद्‌बाट अत्यावश्यक सेवाहरू (जस्तैः सडक, खानेपानी, विजुली आदि) अवरूद्ध भएमा उक्त सेवा सुचारू गर्न तत्काल प्राविधिक टोली परिचालन गर्ने। | निरन्तर  | गाउँ/ नगरस्तर, वडास्तरमा  | गाउँ/ नगरस्तरमा एक र वडास्तरमा एक  | पूर्वाधार विकास शाखा, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा र विषयक्षेत्र  |
| 3 | सम्भावित विपद्‌बाट आर्थिक सामाजिक क्षेत्रमा पर्ने क्षतिको शिघ्र मूल्याङ्‍कनको लागि टोली गठन गरी प्रशिक्षण दिने। | प्रत्येक वर्ष एक पटक | गाउँ/ नगरस्तर | एक पटक | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| 4 | सम्भावित विपद्‌बाट कृषि, पशु, रोजगारी, सेवा, उद्योग, पर्यटन, व्यवपार लगायतका क्षेत्रमा पर्न सक्ने असरहरु न्यूनीकरण गर्ने क्रियाकलाप तय गरी कार्यन्वयन गर्ने।  | विपद् पश्चात तत्काल | गाउँ/ नगरस्तर | प्रभावित समूदायमा | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, उद्योग वाणिज्य संघ |
|  |  |  |  |  |  |

## **3.2 पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजनामा सही पूर्वानुमान र उपलब्ध समयको आधारमा पूर्वतयारीका कार्यहरू निर्धारण गर्नु पर्दछ। यसमा सामान्य सतर्क रहने देखि जोखिमयुक्त ठाउँमा रहेका समुदाय र स्थानान्तरण गर्न मिल्ने धन सम्पत्ति अस्थायी रुपमा सुरक्षित ठाउँमा सार्ने सम्मका क्रियाकलाप हुन सक्छन्। यस्तो योजना प्रकोपको प्रकृति, समय र संभावित प्रभावक्षेत्रको भरपर्दो आधिकारिक पूर्वसूचनाको आधारमा तय गरिनु पर्दछ। प्रकोप आउने समय सीमा नजिक हुन थालेपछि वा प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गरिने क्रियाकलापहरूको योजना देहाय बमोजिम तर्जुमा गरिएको छ:

### **3.2.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको गर्नुपर्ने पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | वर्षा र आँधी/हावाहुरीको पूर्वानुमान सम्बन्धी जानकारी जल तथा मौसम विज्ञान विभाग (सिधै वा वेभपेज मार्फत), प्रदेश र जिल्ला आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्रबाट आदानदप्रदान गर्ने। | माघ देखि असोज सम्म  | गाउँ/ नगरस्तर | दिनमा कम्तिमा १ पटक  | स्थानीय आपत्कालित कार्यसञ्चालन केन्द्र/ वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा  |
| २ | बाढी/पहिरो, हावाहुरी र खराब मौसमको सूचना प्राप्त हुनासाथगाउँ/नगरवासी/समुदायलाई सतर्कता अपनाउन सूचना सम्प्रेषण गर्ने। | पूर्वानुमान प्राप्त भए लगत्तै  | गाउँ/नगर केन्द्रबाट समुदायसम्म पहुँच हुनेगरी | पूर्वानुमानको खवर पश्चात दिनमा कम्तिमा ३ पटक  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय |
| ३ | विपद् बाट हुनसक्ने सम्भावना देखिएमा सबै विषयक्षेत्रहरूलाई तयारी अवस्थामा रहन आग्रह गर्ने। | पूर्वानुमान प्राप्त भए लगत्तै  | गाउँ/नगरस्तर | सूचना प्राप्त भएपछि कम्तिमा एक पटक र आवश्यकता अनुसार थप  | स्थानीय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्र, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा |
| ४ | पूर्वानुमान अनुसार वडास्तरीय समितिलाई जानकारी गराई विपद् सम्मुख समुदायलाई सुरक्षित स्थानमा सार्ने व्यवस्था मिलाउने। | पूर्वानुमान प्राप्त भए पश्चात लगत्तै  | गाउँ/नगरस्तर | जोखिममा रहेका सबै समुदाय  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, स्थानीय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्र |
| ५ | खोज तथा उद्धार टोली र क्षतिको विवरण सङ्‍कलन टोलीलाई तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमान प्राप्त भए पश्चात लगत्तै  | गाउँ/नगरस्तर  | वडास्तरमा | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, स्थानीय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्र, वडा कार्यालय |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.2.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोप आउने समय सीमा नजिक हुन थालेपछि वा प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| १ | खाद्य तथा कृषि विषयक्षेत्रको समन्वयात्मक बैठक बस्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सूचना प्राप्त भएपछि एक पटक र आवश्यकता अनुसार थप  | कृषि शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | भण्डारण गरिएको खाद्य सामग्रीहरूको अवस्था निरिक्षण गरी अद्यावधिक गर्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सूचना प्राप्त भएपछि एक पटक | कृषि शाखा |
| 3 | विपद् प्रभावित क्षेत्रमा खाद्य सामग्रीहरू ढुवानीका लागि आवश्यक सवारी साधन तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात | गाउँ/ नगरस्तरमा | सूचना प्राप्त भएपछि आवश्यकता अनुसार | कृषि शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.2.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | स्वास्थ्य तथा पोषण विषयक्षेत्रको समन्वय बैठक बस्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात तत्काल | गाउँ/ नगरस्तर | सूचना प्राप्त भएपछि १ पटक र आवश्यकता अनुसार थप  | स्वास्थ्य शाखा र विषयक्षेत्र |
| २ | विपद् प्रभावित क्षेत्रमा आवश्यक पर्ने औषधी तथा उपकरण निरिक्षण गरी तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सम्भावित प्रकोपको प्रकृति अनुसार  | स्वास्थ्य शाखा र विषयक्षेत्र |
| ३ | प्राथमिक उपचार र स्वास्थ्य सेवाको लागि आवश्यक जनशक्ति र सवारी साधन तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/नगरस्तर | सम्भावित प्रकोपको प्रकृति अनुसार | स्वास्थ्य शाखा र विषयक्षेत्र |
| ४ | कोभिड-१९ लगायतका महामारीबाट सुरक्षित रहन र सतर्कता अपनाउने उपाय बारे स्थानीय टेलिभिजन, एफ.एम. रेडियो र सामाजिक सञ्जाल लगायतका माध्यमबाट प्रसारण र जानकारी प्रवाह गर्ने। | पूर्वानूमानको जानकारी प्रश्चात | वडा र समुदाय स्तरमा | प्रकोपको आधारमा निरन्तर गर्ने | गाउँपालिका/ नगरपालिका, स्वास्थ्य शाखा, सूचना तथा प्रविधि शाखा र विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.2.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | खानेपानी सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन विषयक्षेत्रको समन्वय बैठक बस्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सूचना प्राप्त भएपछि १ पटक र आवश्यकता अनुसार | सामाजिक विकास शाखा र विषयक्षेत्र |
| २ | खानेपानी शुद्धिकरणका लागि क्लोरिन, पियुष जस्ता औषधि तथा प्रविधिको निरिक्षण गरी तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार  | खानेपानी तथा सरसफाई शाखा र विषयक्षेत्र |
| ३ | सरसफाईका लागि परिचालन हुनु पर्ने जनशक्ति, सवारी साधन र उपकरणहरू तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार  | सामाजिक विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.2.5 आपत्‍कालीन आश्रय र गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने आपतकालिन आश्रय र गैर खाद्य सामागी क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | आपतकालिन आश्रय र गैर-खाद्य सामग्री विषयक्षेत्रको समन्वयात्मक बैठक बस्ने | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/नगरस्तरमा | सूचना प्राप्त भएपछि १ पटक र आवश्यकता अनुसार | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी र विषयक्षेत्र |
| २ | आपत्‍कालीन आश्रय स्थलको निरिक्षण गरी तयारी अवस्थामा राख्ने। | तत्कालै  | वडास्तर | सम्भावित प्रकोप अनुसार  | गाउँ/नगरपालिका, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, वडास्तरीय समिति र विषयक्षेत्र  |
| ३ | अस्थायी आश्रय वा आवास निर्माणका लागि आवश्यक जनशक्ति, सामग्री तथा औजारहरू निरिक्षण गरी तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, र विषयक्षेत्र |
| ४ | सामग्री तथा औजारहरू ढुवानीको लागि आवश्यक सवारी साधन तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी र विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **३.२.६ संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने संरक्षण र सूरक्षा क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | संरक्षण तथा सूरक्षा विषयक्षेत्रको समन्वय बैठक बस्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सूचना प्राप्त भएपछि १ पटक र आवश्यकता अनुसार  | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | विपद्जन्य घटनाबाट प्रभावितलाई परामर्श सेवा दिन परामर्श टोली तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर,वडास्तर | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार | स्वास्थ्या शाखा, शिक्षा शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | विपद् प्रभावित क्षेत्र वा शिविर सञ्चालन भएको स्थानमा आवश्यक पर्नेडिग्निटी किट लगायतका सरसामानहरूको निरिक्षण गरी तैयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **३.२.७ आपत्‍कालीन शिक्षा क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने आपकालिन शिक्षा क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहायअनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | आपत्‍कालीन शिक्षा विषयक्षेत्रको समन्वय बैठक बस्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सूचना प्राप्त भएपछि १ पटक र आवश्यकता अनुसार  | शिक्षा शाखा र विषयक्षेत्र |
| २ | प्रभावित हुन सक्ने विद्यालयलाई शिक्षण सामग्रीहरू सुरक्षित ठाउँमा राख्न अनुरोध गर्ने। | समन्वयात्मक बैठक पश्चात  | विद्यालयस्तरमा  | सम्भावित प्रकोप अनुसार  | शिक्षा शाखा |
| ३ | विपद्को समयमा अपनाउनुपर्ने सावधानी र सूरक्षाका उपाय तथा अनुशासनका बारेमा विद्यार्थीलाई सचेत गर्ने। | तत्काल  | विद्यालयस्तरमा  | सम्भावित प्रकोपको सिजन अनुसार  | शिक्षा शाखा तथा सम्बन्धित विद्यालय  |
| ४ | विपद्को समयमा पठनपाठन निरन्तर गर्न आवश्यक तयारी गर्ने। | तत्काल  | गाउँ/ नगरस्तरमा | सम्भावित प्रकोप अनुसार | शिक्षा शाखा तथा सम्बन्धित विद्यालय, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

### **3.2.8 शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना**

प्रकोपको पूर्वानुमान प्राप्त भएपछि गर्नुपर्ने शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको पूर्वानूमानमा आधारित पूर्वतयारी योजना सम्बन्धी कार्यहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारीका कार्यहरू** | **समय** | **स्थान** | **परिमाण** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| १ | शिघ्र पुनर्लाभ विषयक्षेत्रको समन्वय बैठक बस्ने।  | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सूचना प्राप्त भएपछि एक पटक र आवश्यकता अनुसार  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, पूर्वाधार विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | अत्यावश्यक सेवा सुचारू गर्नका लागि आवश्यक जनशक्ति, भण्डारण गरिएका सामग्री तथा उपकरणहरू निरिक्षण गरी र तयारी अवस्थामा राख्ने। | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार  | पूर्वाधार विकास शाखा, सामाजिक विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | सर्वेक्षण टोलीमा समावेश हुने व्यक्तिलाई तयारी अवस्थामा रहन अनुरोध गर्ने।  | पूर्वानुमानको जानकारी पश्चात  | गाउँ/ नगरस्तर | सम्भावित प्रकोपको समय अनुसार | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |  |  |

## **3.3 आपत्‍कालीन प्रतिकार्य (कार्यविधि) योजना**

यस अन्तर्गत खोज, उद्धार र स्थानान्तरण तथा विपद् पश्चात् परिस्थिति सामान्य नहुन्जेल सम्म गर्नुपर्ने प्रतिकार्य र शिघ्र पुर्नलाभका कार्यहरू पर्दछन्। यसमा विपद्को समय र विपद् पश्चात् तुरुन्तै चाल्नुपर्ने खोज, उद्धार, उपचार एवम् जोखिम क्षेत्रबाट प्रभावितहरूलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण र राहत वितरणका क्रियाकलापहरू समावेश गरिएका छन्। विपद्‌ प्रतिकार्यका लागि गठित विषयक्षेत्रहरू परिचालन गर्न तपशिल बमोजिमका क्रियाकलापहरू तर्जुमा गरिएको छ:

### **3.3.1 समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद्‍\ प्रतिकार्य गर्न समग्र व्यवस्थापन, सूचना, खोज तथा उद्धार क्षेत्रको आपत्‍कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी योजनाहरु देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | विपद्जन्य घटना घटेमा वा घट्ने यकिन भएमा विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक बस्ने। | तत्काल  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, सम्पूर्ण विषयक्षेत्र |
| २ | विपद्ले प्रभाव पारेको तथा जोखिममा रहेका व्यक्ति तथा समुदाय र महत्वपूर्ण सम्पत्ति सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्न सूरक्षा निकाय र खोज तथा उद्धार टोली/कार्यदल परिचालन गर्ने। | तत्काल  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, वडास्तरीय समिति |
| ३ | विपद्‌मा परी घाईते भएकालाई उद्धार गर्ने र हराई रहेका व्यक्तिहरूको तथ्याङ्‍क तयार गरी खोजी गर्ने। | तत्काल | सूरक्षा निकाय, खोज तथा उद्धार टोली र स्वयंसेवक  |
| ४ | तत्कालै घटनाको अवलोकन, निरिक्षण गर्ने र प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखाको प्रतिवेदन तयार गरी स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति समक्ष पेश गर्ने। | विपद् पश्चात 72 घण्टा भित्र | सर्वेक्षण टोली  |
| ५ | विपद्‌बाट मृत्यु भएमा सोको तथ्याङ्‍क र लगत तयार गरी सनाखत गर्ने व्यवस्था मिलाउने र शव हस्तान्तरण/व्यवस्थापन गर्ने। | विपद्को समयमा  | सूरक्षा निकाय, उद्धार टोली, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, स्वयम् सेवक |
| ६ | पीडित समुदायलाई थप जोखिमबाट बचाउन र सहयोग पुर्‍याउन अन्य विषयक्षेत्र र सरोकारवाला निकायसँग समन्वय गर्ने। | विपद् पश्चात  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, विषयक्षेत्र |
| ७ | बहुक्षेत्रगत सर्वेक्षण गरी क्षति, प्रभावित अवस्था र तत्काल गर्नुपर्ने कार्यहरू समेटी सुझाव सहितको विषयक्षेत्र केन्द्रित प्रतिवेदन (प्रारम्भिक द्रुत्त लेखाजोखा) स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिमा प्रस्तुत गर्ने। | विपद् पश्चात 7 दिन भित्र | सर्वेक्षण टोली, सम्बन्धित शाखा, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, वडास्तरीय समिति, विषयक्षेत्र |
| ८ | समीक्षा तथा योजना तर्जुमा बैठक बस्ने र तर्जुमा गरिएको योजना कार्यान्वयन गर्ने/गराउने। | आवश्यकता अनुसार  | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, सम्बन्धित शाखा तथा विषयक्षेत्र |
| ९ | विस्थापित भई शिविरमा बसेका, छरछिमेक वा आफन्तको घरमा आश्रय लिएका, घरगोठ पूर्ण रूपमा नष्ट भएका, आफन्त गुमाएका, घाइते भएकाहरूलाई स्वीकृत मापदण्ड बमोजिम राहत रकम उपलब्ध गराउने।  | विपद् पश्चात तत्काल  | गाउँ/नगरपालिका, स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, वडास्तरीय समिति, वडा कार्यालय |
| १० | विपद्को सङ्कटकाल घोषणा गर्नु पर्ने अवस्था भएमा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति समक्ष सिफारिश गर्ने। | विपद् पश्चात | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति |
|  |  |  |  |

### **3.3.2 खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

प्रकोपबाट सिर्जित विपद्‍मा प्रतिकार्य गर्न खाद्य तथा कृषि क्षेत्रको आपत्‍कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचानमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात तत्काल  | कृषि शाखा र विषयक्षेत्रका सदस्यहरु |
| २ | विपद्‌बाट प्रभावित भएकाहरूलाई खाद्यान्न वितरण गर्ने। | विपद्को पहिलो दिन  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय |
| ३ | सर्वेक्षण टोलीको सिफारिसको आधारमा आवश्यक खाद्य सामग्रीको व्यवस्था गरी निर्धारित मापदण्ड बमोजिम वितरण गर्ने। | दोस्रो दिन देखि निरन्तर  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, कृषि शाखा, वडास्तरीय समिति |
| ४ | भण्डारण गरिएको खाद्य सामग्री अपुग हुने देखिएमा तत्काल खरिद गरी आपूर्तिको व्यवस्था मिलाउने। | आवश्यकता अनुसार | गाउँ/नगरपालिका, स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, विषयक्षेत्र |
| ५ | प्रतिकार्यका लागि गाउँ/नगरपालिकाको क्षमताले नभ्याउने भएमाथप सहयोगका लागि जिल्ला तथा प्रदेश विपद् व्यवस्थापन समितिमा थप सहयोग उपलब्ध गराउन अनुरोध गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | गाउँपालिका अध्यक्ष/ नगर प्रमुख वा प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत |
| ६ | थप खाद्य सामग्री आवश्यक भएमास्थानीय तहमा क्रियाशील मानवीय सहायता कार्यमा संलग्न निकायहरूसँग समन्वय तथा अनुरोध गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति, विषयक्षेत्र |
| ७ | खाद्य सामग्री वितरणमा आईपरेका समस्या तथा चुनौतीहरूको विषयमा विषयक्षेत्रको समिक्षा बैठक गर्ने र निष्कर्ष सहितको प्रतिवेदनस्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिमा पेश गर्ने। | प्रतिकार्यको आधारमा कम्तिमा एक पटक | कृषि शाखा,विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |

### **3.3.3 स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद्‍ प्रतिकार्यको सन्दर्भमा स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको आपतकालिन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचान कार्यमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात  | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | विपद्को घटनामा घाईते भएकाहरूको प्राथमिक उपचार गर्ने। | आवश्यकता अनुसार  | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | स्थानीय स्तरमा उपचार हुन नसक्ने घाईते तथा विरामीलाई नजिककोस्वास्थ्य केन्द्र वा अस्पताल लैजान व्यवस्था मिलाउने। | आवश्यकता अनुसार  | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| ४ | महामारी रोकथाम र व्यक्तिगत सरसफाई कायम राख्न स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान गर्ने। | आवश्यकता अनुसार  | स्वास्थ्य शाखा, शिक्षा शाखा, विद्यालय, विषयक्षेत्र |
| ५ | विपद् प्रभावित स्थानमा स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गर्ने। | आवश्यकता अनुसार  | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| ६ | गर्भवती महिला, सुत्केरी, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने तथा पोषणयुक्त खानेकुरा वितरणको व्यवस्था मिलाउन खाद्य तथा पोषण क्षेत्रलाई सिफारिस गर्ने। | आवश्यकता अनुसार  | स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| ७ | औषधी, सूरक्षाका सामग्री (पिपिइ सेट, सर्जिकल मास्क, स्यानीटाइजर, साबुन) तथा उपकरण (थर्मल गन,भेन्टिलेटर,फ्रिज, टेष्टिङ्‌किट) लगायतका सामग्रीहरु पहिचान गरी सोको व्यवस्था गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | गाउँ/नगरपालिका,स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |

### **3.3.4 खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद् प्रतिकार्य गर्न खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको आपत्‍कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **विपद् प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचान कार्यमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात तत्कालै  | सामाजिक विकास शाखा  |
| २ | विपद् प्रभावित क्षेत्र वा शिविर सञ्चालन भएको स्थानमा शुद्ध खानेपानीको प्रवन्ध गर्ने। | विपद् पश्चात तत्कालै  | खानेपानी एकाई, विषयक्षेत्र |
| ३ | विपद्का कारण सिर्जित फोहोर व्यवस्थापनको कार्य गर्ने। | विपद् पश्चात तत्कालै  | सरसफाई एकाई, विषयक्षेत्र |
| ४ | पियुस, क्लोरीन जस्ता खानेपानी शुद्धिकरणका औषधी तथा व्यक्तिगत सरसफाईका लागि हाईजिन किट वितरण गर्ने र सरसफाई तथा स्वच्छता कायम गर्न चेतनामूलक कार्यक्रम गर्ने | विपद् पश्चात तत्कालै  | खानेपानी र सरसफाई एकाई, शिक्षा शाखा, विषयक्षेत्र, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी  |
| ५ | खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता प्रवर्द्धन क्षेत्रको विपद् प्रतिकार्यको समीक्षा गरी प्रतिवेदन गर्ने। | विपद् पश्चात तत्कालै | सामाजिक विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |

### **3.3.5 आपत्‍कालीन आश्रय र गैर–खाद्य सामग्री क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद् प्रतिकार्य गर्न आपतकालिन आश्रय र गैर खाद्य सामग्री क्षेत्रको आपतकालिन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **विपद् प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचान कार्यमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात तत्काल  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, विषयक्षेत्र, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी  |
| २ | पहिचान भएको सुरक्षित स्थानमा आश्रय वा वासको लागि अस्थायीसंरचना निर्माण गर्ने। | विपद् पश्चात तत्काल  | पूर्वाधार विकास शाखा, वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी |
| ३ | आवश्यक गैरखाद्य सामग्रीको वितरण गर्ने। | आवश्यकता अनुसार  | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, वडा कार्यालय, विषयक्षेत्र, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी |
| ५ | आपत्‍कालीन आश्रय र गैर खाद्य सामग्री क्षेत्रको विपद् प्रतिकार्यको समीक्षा गरी प्रतिवेदन गर्ने। | निरन्तर  | विषयक्षेत्रका समूह सदस्यहरू  |
|  |  |  |  |

### **3.3.6 संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद् प्रतिकार्य गर्न संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको आपत्‍कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचान कार्यमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात् तत्कालै | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | पहिचान भएका आवश्यकता बमोजिम गर्भवती महिला, सुत्केरी, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र ज्येष्ठ नागरिकलाई सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात् तत्कालै र अवश्यकता अनुसार | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | गर्भवती महिला, सुत्केरी, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र ज्येष्ठ नागरिकका लागि आवश्यक सामग्रीहरूको दैनिक सूची तयार गरी सामग्री जुटाउने र वितरण गर्ने। | अवश्यकता अनुसार | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
| ४ | विशिष्ट आवश्यकता अनुसारका सामग्री जस्तैः डिग्निटी किट वितरण गर्ने।  | विपद् पश्चात् सकेसम्म छिटो र आवश्यकता अनुसार | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
| ५ | विपद्को घटनाबाट मानसिक रूपमा प्रभावित व्यक्ति र परिवारका सदस्य गुमाएका व्यक्तिहरूलाई परिस्थितीको आंकलन गरी मनोसामाजिक परामर्श सेवा उपलब्ध गराउने। | विपद् पश्चात् सकेसम्म छिटो र आवश्यकता अनुसार | महिला तथा बालबालिका शाखा, स्वास्थ्य शाखा, विषयक्षेत्र |
| ६ | संरक्षण तथा सूरक्षा क्षेत्रको विपद् प्रतिकार्यको समीक्षा गरी प्रतिवेदन गर्ने। | प्रतिकार्यको कार्य सम्पन्न भएपछि | महिला तथा बालबालिका शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |

### **3.3.7 आपत्‍कालीन शिक्षा क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद् प्रतिकार्य गर्न आपतकालिन शिक्षा क्षेत्रको आपतकालिन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचान कार्यमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात  | शिक्षा शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | प्रकोपबाट प्रभावित विद्यालयहरूको सूची तयार गरी सम्बन्धित विद्यालयका विद्यार्थीहरूले गुमाएका पठनपाठनका सामग्रीहरूको विवरण तयार गर्ने। | विपद् पश्चात तत्कालै | शिक्षा शाखा, विद्यालय, विषयक्षेत्र |
| ३ | विद्यालय ३ (तीन) दिन भन्दा बढी बन्द हुने अवस्था भएमा आपत्‍कालीन शिक्षाका लागि प्रवन्ध मिलाउने  | आवश्यकता अनुसार | शिक्षा शाखा, विद्यालय, विषयक्षेत्र |
| ४ | आपत्‍कालीन शिक्षाका लागि आवश्यक सरसामानको व्यवस्था गरी पठनपाठन सुचारू गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | शिक्षा शाखा, विद्यालय, विषयक्षेत्र |
| ५ | शिक्षा क्षेत्रको विपद् प्रतिकार्यको समीक्षा गरी प्रतिवेदन गर्ने। | प्रतिकार्यको कार्य सम्पन्न भएपछि | शिक्षा शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |

### **3.3.८ शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको प्रतिकार्य योजना**

विपद् प्रतिकार्य गर्न आपतकालिन शीघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको आपतकालिन प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरुको योजना देहाय अनुसार तर्जुमा गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलापहरू** | **समय** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय/संस्था** |
| --- | --- | --- | --- |
| १ | सर्वेक्षण टोलीमा प्रतिनिधि पठाई क्षति सर्वेक्षण तथा आवश्यकता पहिचान कार्यमा सहयोग गर्ने। | विपद् पश्चात  | पूर्वाधार विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
| २ | भौतिक संरचनाहरू नोक्सान भई सेवा अवरूद्ध भएको स्थान पहिचान गरी तथ्याङ्‍क सङ्‍कलन गर्ने र तत्काल सुचारू गर्नुपर्ने सेवाहरूको प्राथमिकिकरण गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | पूर्वाधार विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
| ३ | सार्वजनिक सेवा अवरूद्ध भएका भौतिक संरचनाहरूको मर्मत सम्भारका लागि टोली परिचालन गरी सेवा सूचारु गर्ने। | आवश्यकता अनुसार | पूर्वाधार विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
| ४ | विपद्‌बाट आर्थिक सामाजिक क्षेत्रमा परेको प्रभाव लेखाजोखा गरी शिघ्र पुनर्लाभका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। | विपद् पश्चात तीन महिना भित्र | वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा, सामाजिक विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
| ५ | शिघ्र पुनर्लाभ क्षेत्रको विपद् प्रतिकार्यको समीक्षा गरी प्रतिवेदन गर्ने। | प्रतिकार्यको कार्य सम्पन्न भएपछि | पूर्वाधार विकास शाखा, विषयक्षेत्र |
|  |  |  |  |

# **परिच्छेद चार**

# **बन्दोबस्ती सामग्रीको उपलब्धता तथा आवश्यकताको लेखाजोखा**

## **४.१ स्रोत-साधनको वर्तमान अवस्था**

बन्दोबस्तीका सामग्रीहरुको उपलब्धताको लेखाजोखा विषयक्षेत्रका आधारमा गरिएको छ। यस गाउँ/नगरपालिकामा विपद्जन्य घटनाहरुमा सम्बन्धित विषयक्षेत्र अन्तर्गत उपलब्ध श्रोत साधन तथा सामग्रीहरुको विद्यमान अवस्था देहाय बमोजिम रहेको छः

| **विषयक्षेत्र** | **स्रोत, साधन/उपकरण** | **संख्या वा परिमाण** | **भण्डारण स्थल/स्थान** |
| --- | --- | --- | --- |
| समग्र व्यवस्थापन/ सूचना खोज तथा उद्धार | दमकल (आवश्यक औजार सेट सहित)  | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| एक्साभेटर (जेसिवि) | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| लाईफ ज्याकेट | ............ | गाउँ/नगरपालिका, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| क्लाइम्विङ डोरी | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| सेफ्टि हेल्मेट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| रवर बोट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| स्ट्रेचर | ............ | गाउँ/नगरपालिका, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| मेगा ह्याण्ड माइक | ............ | गाउँ/नगरपालिका, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| ईमर्जेन्सी टर्च लाईट  | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| आगो निभाउने यन्त्र | ............ | गाउँ/नगरपालिका, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| साईरन | ............ | गाउँ/नगरपालिका, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, जिल्ला प्रशासन कार्यालय |
| रवरको पञ्जा | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| थ्रो व्याग | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| प्राथमिक उपचार किट | ............ | नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
|  |  |  |
| खाद्यान्न तथा कृषि | किटनाशक विषादी | ............ | कृषि शाखा |
| चामल | ............ | नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| नुन, तेल प्याकेट | ............ | नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
|  |  |  |
| स्वास्थ्य तथा पोषण | स्यानीटरी प्याड | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| इमेरजेन्सी किट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| ह्याण्डवास तथा साबुन | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| पिपिई सेट/गाउन | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| सर्जिकल ग्लोब | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| स्यानीटाईजर | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| क्लोरिन पाउडर | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| मेडिसिन | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| आर.एल. वोटल | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| प्राथमिक उपचार बाकस/किट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
|  |  |  |
| खानेपानी, सरसरफाई तथा स्वच्छता | पियुष | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| एक्वा ट्याब | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| पि.ए.भाइल | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| पानी जाँच्ने किट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| पाईप तथा फिटिङ्स | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| अस्थाई शौचालय किट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
|  |  |  |
| आपतकालिन आश्रय तथा गैर खाद्य सामग्री क्वारेण्टाइन व्यवस्थापन | ईन्धनबाट चल्ने आरा/ह्याक्सा (Hacksaw) | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| खन्ती (सव्वल) | ............ | गाउँ/नगरपालिका,नेपाल रेडक्रस सोसाईटी |
| गैंति र वेल्चा सेट | ............ | गाउँ/नगरपालिका |
| एयर लिफ्ट ब्याग | ............ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय |
| त्रिपाल/टेन्ट | ............ | .................... |
| भाँडाकुँडा सेट | ............ | .................... |
| जस्तापाता | ............ | .................... |
|  |  |  |

*नोट: यस्ता सामग्रीहरुको विषयक्षेत्रबाट प्राप्त विवरण अनुसार अभिलेख अद्यावधिक गर्ने कार्य विपद् व्यवस्थापन शाखाले नियमित रुपमा गर्नेछ।*

## **४.२ विपद् प्रतिकार्यका लागि जनशक्तिको उपलब्धता**

यस गाउँ/नगरपालिकामा विपद्जन्य घटनामा सबै विषयक्षेत्रका सदस्यहरू र स्थानीय समुदायहरू प्रतिकार्यका लागि परिचालित हुनेछन्। यस बाहेक ....... जना खोज तथा उद्धार, ...... जना प्राथमिक उपचार, ...... जना पूर्वसूचना कार्यदल र ...... जना लेखाजोखा कार्यदल सम्बन्धी दक्ष व्यक्तिहरु रहेका छन्। यसका साथै शव व्यवस्थापन सम्बन्धी विशिष्ट ज्ञान भएका व्यक्तिहरू ....... जना सूरक्षा निकायहरुसँग रहेका छन्। विपद् प्रतिकार्यका लागि उपलब्ध जनशक्तिको अद्यावधिक विवरण **अनुसूची-1१** मा संलग्न गरिएको छ।

जनशक्ति सम्बन्धी विवरण हेरफेर भईरहन सक्ने हुँदा सबै विषयक्षेत्रले विपद् प्रतिकार्यका लागि विद्यमान जनशक्तिको तथ्याङ्‍क नियमित रुपमा अद्यावधिक गरी एकीकृत अभिलेख राख्ने प्रयोजनका लागि विपद् व्यवस्थापन शाखामा पठाउनु पर्नेछ।

## **४.३ बन्दोबस्ती सामग्रीको आंकलन**

विपद्जन्य घटनाहरुमा प्रतिकार्यका लागि गैरखाद्य सामाग्रीहरु र सोको भण्डारण स्थल र मानवीय सहायता स्थलको लागि देहाय अनुसारको व्यवस्था गरिएको छः

### **४.३.१ गैर–खाद्य सामग्री भण्डारण स्थल**

विपद्‍का घटनाहरुमा प्रतिकार्यका लागि गैह्र खाद्य सामग्रीहरुको गोदाम घर (भण्डारण स्थल) .... नम्बर वडाको ................ स्थानमा रहेको छ। भण्डारण स्थल सम्बन्धी विवरण देहायअनुसार रहेको छः

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **विवरण** | **स्थान** | **क्षमता** | **सम्पर्क व्यक्ति** | **सम्पर्क नम्वर** |
| १ |  |  |  |  |  |
| २ |  |  |  |  |  |
| ३ |  |  |  |  |  |
| ४ |  |  |  |  |  |
| ५ |  |  |  |  |  |

### **४.३.२ मानवीय सहायता स्थल**

................................ विमानस्थल परिसरमा रहेको*(वा गाउँ/नगरपालिकाको सबै भन्दा नजिक रहेको मानवीय सहायता उपलब्ध हुन सक्ने विमानस्थल उल्लेख गर्ने)* मानवीय सहायता स्थल यस .................. गाउँ/नगरपालिकाको लागि विपद् प्रतिकार्यको निमित्त उपयोग गरिनेछ।

## **४.४ थप स्रोत साधनको आवश्यकता र अनुमानित लागत**

माथि उल्लिखित विद्यमान स्रोत साधनका अतिरिक्त विपद् प्रतिकार्यका लागि विषयक्षेत्रहरूलाई आवश्यक पर्ने थप स्रोत, साधन र उपकरणको विवरण तथा सोको अनुमानित लागत देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **विषयक्षेत्र** | **आवश्यक स्रोत, साधन/उपकरण** | **थप सङ्ख्या वा परिमाण** | **अनुमानित रकम (रु हजारमा)** |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |

# परिच्छेद पाँच

# विविध

## **५.१ स्रोत साधनको व्यवस्थापन**

विपद् व्यवस्थापनका लागि यस गाउँ/नगरपालिकामा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना गरिएको छ। यस विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य योजनामा स्वीकृत क्रियाकलापका लागि उक्त कोषमा उपलब्ध बजेट पर्याप्त भएमा विषयक्षेत्रलाई बजेटको आवश्यकता र उपलब्धताका आधारमा रकम निकासा गरिनेछ। कोषमा पर्याप्त बजेट उपलब्ध नभएको अवस्थामा स्वीकृत बार्षिक बजेटबाट यस्तो रकम उपलब्ध गराईनेछ। स्वीकृत क्रियाकलाप कार्यान्वयन गर्ने कार्य वडा कार्यालय मार्फत् हुन सक्ने अवस्थामा यस्तो रकम सम्बन्धित वडा कार्यालयलाई उपलब्ध गराईनेछ।

गाउँ/नगरपालिकाको आफ्नो स्रोत साधनले कार्यान्वयन सम्भव नहुने क्रियाकलापको लागि प्रदेश सरकार वा जिल्ला प्रशासन कार्यालय मार्फत् सङ्‍घीय सरकारसँग अनुरोध गरिनेछ। साथै थप आवश्यक सहयोगका लागि मानवीय सहायता कार्यमा संलग्न निकाय तथा विकास साझेदार संस्था, स्थानीय सामाजिक सङ्‍घ संस्था तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरिनेछ।

## **५.२ अन्य निकायसँगको समन्वय र सहकार्य**

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका लागि छिमेकी ..............., ............, ............., .............., गाउँ/नगरपालिकासँग सहयोग आदानप्रदान गरिनेछ। यस्तो सहयोग विशेषगरी बाढी, पहिरो र आगलागीको समयमा प्रतिकार्यका लागि दमकल, एम्बुलेन्स तथा अत्यावश्यक मानवीय सहायता सामग्रीको उपयोगमा केन्द्रीत हुनेछ। अन्य किसिमका थप सहयोग आदानप्रदान गर्न कार्यपालिकाले अन्य स्थानीय तहहरुसँग आवश्यक समझदारी वा सम्झौता गर्न सक्नेछ।

नेपाल सरकार, प्रदेश तथा जिल्ला स्थित कार्यालयहरूबाट समेत विपद् प्रतिकार्यको लागि स्रोत, साधन प्राप्त हुने अपेक्षा गरिएको छ। जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, जिल्ला स्थित अन्य गैह्र सरकारी निकाय तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी थप स्रोत परिचालन गरिनेछ। जिल्ला आपतकालीन कार्यसञ्चालन केन्द्रसँग विपद् सम्बन्धी सूचना आदानप्रदान गर्न आवश्यक समन्वय गरिनेछ।

## **५.३ अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई**

### **५.३.१ लक्ष्य र सूचकहरू**

यस योजनामा गाउँ/नगरपालिकामा विपद्‌बाट प्रभावित हुने परिवार, मृत्यु हुने तथा घाईतेको सङ्ख्या एवम् आर्थिक क्षतिको न्यूनीकरण गर्ने लक्ष्य लिईएको छ। यस योजनाको अनुगमन, मूल्याङ्‍कन र समीक्षाको लागि देहाय बमोजिमको लक्ष्य सूचकहरु निर्धारण गरिएको छ:

| **क्र.सं.** | **सूचक** | **आधार वर्ष (२०७../...)** | **लक्ष्य** |
| --- | --- | --- | --- |
| **२०७../..** | **२०८../..** | **२०८../..** |
| १. | गाउँ/नगर क्षेत्रमा विपद्‌बाट हुने मानवीय क्षतिको दर कम भएको हुनेछ। |
| १.१ | विपद्‌बाट मृत्यु हुनेको वार्षिक औसत सङ्ख्या (सडक दुर्घटना बाहेक) |  |  |  |  |
| १.२ | सडक दुर्घटनाबाट मृत्यु हुनेको वार्षिक औसत सङ्ख्या |  |  |  |  |
| २. | विपद्‌बाट प्रभावित व्यक्तिहरूको सङ्ख्या उल्लेख्य मात्रामा कम भएको हुनेछ। |
| २.१ | विपद्‌बाट प्रत्यक्ष प्रभावित हुने परिवारहरूको वार्षिक औसत सङ्ख्या |  |  |  |  |
| २.२ | विपद्‌बाट घाईते हुने व्यक्तिहरूको वार्षिक औसत सङ्ख्या  |  |  |  |  |
| २.३ | सडक दुर्घटनाबाट घाईते हुने व्यक्तिहरूको वार्षिक औसत सङ्ख्या |  |  |  |  |
| २.४ | विपद्‌बाट क्षति हुने घरहरूको वार्षिक औसत सङ्ख्या |  |  |  |  |
| ३. | विपद्को कारण हुने वार्षिक औसत प्रत्यक्ष आर्थिक क्षतिमा कमी आएको हुनेछ। |
| ४. | गाउँ/नगरपालिका र सरोकारवालाहरू बीच अन्तर तथा परस्पर समन्वय र साझेदारी अभिबृद्धि गर्ने संयन्त्र सङ्ख्या |
| ५. | बहु–प्रकोप पूर्वसूचना प्रणाली र विपद् जोखिम सूचना आंकलन, उपलब्धता र पहुँचमा उल्लेख्य बृद्धि भएको हुनेछ।  |
| ५.१ | कूल क्षेत्रफलको अनुपातमा बहु–प्रकोप अनुगमन तथा पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना र सञ्चालन भएको क्षेत्रफलको प्रतिशत |  |  |  |  |
| ५.२ | विपद् प्रभावित क्षेत्रको जनसङ्ख्याको अनुपातमा स्थानीय वा राष्ट्रिय सूचना प्रणाली मार्फत पूर्वसूचना प्राप्त गर्ने जनसङ्ख्याको प्रतिशत |  |  |  |  |
| ५.३ | विपद् जोखिमयुक्त क्षेत्रहरूमा पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी कार्यविधि लागू भएका वडाहरूको सङ्ख्या |  |  |  |  |
| ५.४ | स्थानीय स्तरमा उपयोगी विपद् जोखिम सम्बन्धी सूचना तथा जानकारी जनसमुदायलाई उपलब्ध गराउन सक्ने समुदाय |  |  |  |  |
| ५.५ | पूर्वसूचना प्राप्त भएपछि विपद् प्रभावित क्षेत्रबाट सुरक्षित स्थानमा सारिएका जनसङ्ख्या |  |  |  |  |

### **५.३.२ अनुगमन, मूल्याङ्‍कन र योजनाको परिमार्जन**

यस योजना कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन र मूल्याङ्‍कन गर्ने कार्य अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिले गर्नेछ। उक्त समितिले माथि उल्लिखित सूचकहरुको आधारमा नियमित रुपमा योजना कार्यान्वयनको अवस्थाको अनुगमन गरी स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति समक्ष प्रतिवेदन पेश गर्नेछ। यस्तो प्रतिवेदनमा औंल्याईएका सुधार गर्नुपर्ने विषयलाई सम्बन्धित विषयक्षेत्रले सुधार गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्नेछ र योजनामा नै सुधार गर्नुपर्ने अवस्थामा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको परिमार्जन गर्दा समावेश गरिनेछ। योजनाको कार्यान्वयनको अवस्था, प्रभावकारिता र सिकाई संश्लेषण कार्यसूचीको प्रारुप **अनुसूची-१२** मा संलग्न गरिएको छ। यस योजनाको पूनरावलोकन तथा पृष्ठपोषण सङ्‍कलन तलको तालिका बमोजिम हुनेछः

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **विवरण** | **जिम्मेवार निकाय** | **गर्नुपर्ने मुख्य कार्य** | **समय** |
| योजना कार्यान्वयनको समिक्षा | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | आवधिक रुपमा समिक्षा बैठक गर्ने | कार्तिक महिना |
| माघमहिना |
| बैशाख महिना |
| श्रावण महिना (आगामी आ.व. को) |
| योजनाको पुनरावलोकन | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | विषयक्षेत्र अनुसारका क्रियाकलापहरुको पुनरावलोकन गरी योजना अद्यावधिक गर्ने | प्रत्येक वर्ष कार्तिक मसान्त |

## **५.४ क्षमता विकास रणनीति र योजना**

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नका लागि दक्ष स्रोत व्यक्ति तथा संस्थाहरूको सहयोगमा देहायका क्रियाकलापहरू सञ्चालन गरिनेछ:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **क्षमता विकास क्रियाकलापहरु** | **जिम्मेवारी** | **समयतालिका** |
| १ | विषयक्षेत्रका जनशक्तिलाई उक्त क्षेत्रसँग सम्बन्धित विषयमा अभिमुखिकरण, तालिम र अभ्यासको व्यवस्था गर्ने। | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | विपद् व्यवस्थापन पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा पश्चात |
| २ | वडास्तरका विपद् व्यवस्थापन समितिलाई विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी अभिमुखिकरण, तालिम प्रदान गर्ने। | विपद् व्यवस्थापन शाखा | विपद् व्यवस्थापन पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा पश्चात |
| ३ | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन कोषलाई प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्न क्षमता विकास गर्ने। | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | आगामी आ**.** व. योजना तर्जुमा प्रक्रिया शुरु हुनु भन्दा अगावै |
| ४ | विपद् प्रभावित स्थानमा रहेका विद्यालयहरू र स्थानीय स्वयंसेवकहरूलाई विपद् प्रतिकार्य सम्बन्धी तालिम प्रदान गर्न विषयक्षेत्रको क्षमता विकास गर्ने | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | मनसुन अगावै तथा विपद्को घटना हुनु अघि |
| ५ | बन्दोबस्तीका सामान तथा औजारहरू व्यवस्थापनका लागि विषयक्षेत्रहरूको क्षमता विकास गर्ने। | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | मनसुन अगावै तथा विपद्को घटना हुनु अघि |

# अनुसूची-१

# प्राविधिक कार्यसमूहको प्रथम बैठकको कार्यसूची

गाउँ/नगरपालिका ..............,जिल्ला ..................,प्रदेश ..................,

स्थानः मिति/समयः

**छलफलका विषयहरूः**

1. गत वर्षका विपद्का घटनाहरू र व्यवस्थापन सम्बन्धी समीक्षा,
2. यस वर्षको पूर्वानुमान (वर्षा, बाढी र पहिरो सम्बन्धि पूर्वानुमानहरू जल तथा मौसम विज्ञान बिभागबाट उपलब्ध हुन्छ, अन्य प्रकोपहरूको सम्बन्धित निकायबाट उपलब्ध हुन्छ),
3. सङ्‍कटासन्नता र जोखिमको बस्तुस्थिति (भौगोलिक कार्यक्षेत्रः गाउँ वा नगरपालिका),
4. विषयक्षेत्रहरू (गाउँ/नगरपालिकामा रहने क्लष्टरहरू) र तिनको योजना,
5. योजना तर्जुमा वा अद्यावधिक गर्ने प्रक्रिया,
6. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमामा प्राविधिक सहयोग गर्नका लागि (आवश्यक भएमा) अनुभव प्राप्त विज्ञ सम्मिलित) कार्यटोलीको गठन गर्ने र कार्यशर्तहरू छलफल गरी स्वीकृत गर्ने,
7. पूर्वतयारी योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सहयोग र समन्वय (अन्य गाउँ/नगरपालिका,नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारका जिल्ला स्थित निकायहरु),
8. अन्य (जस्तैः समितिको आगामी बैठक सम्बन्धमा)।

# अनुसूची-२

# **स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिबाट प्राविधिक कार्यसमूहलाई प्रदान कार्यादेश**

1. उपलब्ध तथ्याङ्‍क, दस्तावेज, प्रकाशन तथा अभिलेखहरुको अध्ययन तथा विश्लेषण गर्ने,
2. विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी मौजुदा योजनाहरू, कम्तिमा विगत ५ वर्षको विपद्का घटना सम्बन्धी तथ्याङ्‍क र प्रकाशनहरू, प्रकोप नक्शा, सङ्‍कटासन्नता तथा जोखिम आंकलन, पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली लगायत अन्य सान्दर्भिक सामग्रीको पुनरावलोकन र समीक्षा गर्ने,
3. सम्बन्धित तहका आवधिक विकास योजनाहरू, विषयक्षेत्रगत योजनाहरू, प्रतिवेदनहरू,
4. आधारभूत अध्ययन लगायतका कार्य गर्ने,
5. विपद् व्यवस्थापनको विगतको अभ्यास अनुभव तथा सिकाई सम्बन्धी अध्ययन तथा समीक्षा गर्ने,
6. विगतको विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्य योजना तथा विषयक्षेत्रगत आकस्मिक योजनाहरूको अध्ययन र समीक्षा गर्ने,
7. स्थानीय मौसम तथा बाढी पूर्वानुमान र पूर्वसूचना प्रणाली, महामारी निगरानी प्रणाली, सडक सूरक्षा कार्ययोजना अध्ययन र प्रवृत्ति विश्लेषण गर्ने,
8. स्थानीय तहमा कार्यरत सरोकारवाला तथा साझेदार संस्थाको पहिचान गरी सूची तयारी गर्ने,
9. कार्यशाला गोष्ठीको सञ्चालन विधि, समय, स्थान, कार्यसूचीको छनौट तथा स्रोत साधन जस्ता विषयमा सहयोग र परामर्श प्रदान गर्ने,
10. सबै विषयक्षेत्रका योजनाहरू एकत्रित गरी मस्यौदा तयार गर्ने,
11. अनुसूचीमा उल्लिखित नमूना बमोजिम स्थानीय तहमा कार्यरत सरोकारवाला तथा साझेदार संस्थाको पहिचान गरी सूची तयार गर्ने।

# अनुसूची-३

# सरोकारवाला निकायको पहिचान तालिका

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **निकाय** | **विषयक्षेत्र** | **कार्यरत प्रदेश/जिल्ला/गाउँ/ नगरपालिका** | **सम्पर्क व्यक्तिको नाम र पद** | **सम्पर्क विवरण****(फ्याक्स, फोन, इमेल)** | **कैफियत** |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

# अनुसूची-४

# विषयक्षेत्रको प्रथम बैठकको कार्यसूची

गाउँ/नगरपालिका .............., जिल्ला .................., प्रदेश .................., विषयक्षेत्र ............

स्थानः मिति/समयः

**छलफलका विषयहरूः**

1. विषयक्षेत्रको परिचय,
2. बिषयगत क्षेत्रको अगुवा तथा सदस्य संस्थाको नामावली,
3. प्रमुख विपद् र प्रभावित क्षेत्रको छनौट,
4. पहिचान भएको विपद्‌को पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यमा सम्बन्धित विषयक्षेत्रको भूमिका,
5. विपद्को घटना हुनु अगाडि गरिने पूर्वतयारी र विपद् पश्चात् गरिने प्रतिकार्यको समयसीमा निर्धारण,
6. विद्यमान कमीकमजोरीहरूको पहिचान,
7. प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी तथा आपत्‍कालीन प्रतिकार्य क्रियाकलापहरूको पहिचान,
8. प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका लागि विषयक्षेत्रको कार्ययोजना तर्जुमा,
9. विपद्को घटना अगावै गरिने पूर्वतयारी तथा विपद्को समयमा गरिने आपत्‍कालीन कार्यका लागि मुख्य जिम्मेवार निकायको पहिचान,
10. बिषयगत क्षेत्रको अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई योजना तर्जुमा,
11. पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका क्रियाकलापका लागि लागत अनुमान (सम्भव भए सम्म),
12. अन्य (जस्तैः आगामी बैठक सम्बन्धमा)।

**नोटः**

प्रत्येक विषयक्षेत्रका अन्य बैठक र तिनका कार्यसूची पहिलो बैठकका निर्णयहरू, तिनको कार्यान्वयन अवस्था र अन्य आन्तरिक सवालहरूमा निर्भर हुन्छ।

# अनुसूची-५

# विषयक्षेत्र सदस्य संस्थाको कार्यशर्त (नमूना)

कुनै विषयक्षेत्रमा परेको समस्या समाधानमा सहयोग गर्न सम्बन्धित तहमा तोकिएको प्राविधिक क्षमता भएको तथा अधिकार प्राप्त व्यक्ति, संस्था वा निकायलाई विषयक्षेत्र सदस्य संस्था भनिन्छ। विषयक्षेत्र सदस्य संस्थाको काम कर्तव्य देहाय अनुसार हुनेछन्ः-

1. विषयगत सदस्य संस्था (सरकारी निकाय, राष्ट्र संघीय निकाय, रेडक्रस अभियानका सदस्य, राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय गैसस, निजी क्षेत्र आदि) का बीचमा उपयुक्त विषयगत समन्वय संयन्त्र स्थापना तथा व्यवस्थापन गर्न विषयगत अगुवा संस्था तोकि आवश्यकता अनुसार सहयोग गर्ने,
2. नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारका जिल्ला स्थित निकाय, स्थानीय तह, नागरीक समाज तथा अन्य सरोकारवाला निकायबीच समन्वय गर्न विषयगत अगुवा संस्थालाई सहयोग गर्ने,
3. आफ्नो विषयक्षेत्रमा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा गर्न विषयगत अगुवा संस्थालाई सहयोग गर्ने (यस अन्तर्गत विपद्को प्रकृति तथा योजना मान्यता, प्राथमिकता प्राप्त आपत्‍कालीन कार्य तयारी, आपत्‍कालीन कार्य संवोधन गर्न प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यका लागि विद्यमान कमीकमजोरी पहिचान, विषयगत कार्ययोजना आदि पर्दछन्),
4. आपत्‍कालीन अवस्थाका लागि प्रर्याप्त आकस्मिक योजना तथा पूर्वतयारीको प्रत्याभूति गराउने,
5. विषयक्षेत्रका सहभागीहरू सम्बन्धित नीतिगत मार्गदर्शन तथा प्राविधिक मापदण्डका वारेमा जानकारी राख्दछन् र सोही मापदण्डका आधारमा प्रतिकार्य गर्दछन् भन्ने कुराको प्रत्याभूति गराउन विषयगत अगुवा संस्थालाई सहयोग गर्ने,
6. विषयक्षेत्रको प्रभाव र कार्यान्वयन योजनाको प्रगतिको समीक्षा गर्न तथा पर्याप्त प्रतिवदेन र प्रभावकारी सूचना पव्राहको प्रत्याभूति दिन र प्रभावकारी अनुगमन संयन्त्र स्थापना गर्न विषयगत अगुवा संस्थालाई सहयोग गर्ने,
7. सूचना सङ्‍कलन तथा प्रचारप्रसारमा योगदान गर्न स्रोत साधनको आवश्यकता पहिचान गर्ने,
8. विषयक्षेत्रका प्राथमिकता प्राप्त कार्य सञ्चालन गर्न दातृ समुदायलाई मानवीय सहायता कार्यमा लगानी गर्न प्रोत्साहन गर्ने साथै, विषयक्षेत्रका सहभागीहरूलाई स्रोत साधन परिचालन गर्न प्रोत्साहित गर्ने,
9. मानवीय सहायतामा संलग्न साझेदार संस्थाका कर्मचारीको क्षमता विकासका लागि तालिम सञ्चालन गर्न सहयोग गर्ने,
10. पूर्वनिर्धारीत प्राथमिकता प्राप्त विषयगत संस्थाहरूलाईअन्तिम सेवा प्रदायककारुपमा जिम्मेवार बनाउने,
11. कार्यक्षेत्र र कार्यक्रमको प्राथमिकताका आधारमा विषयक्षेत्रका मुख्य साझेदारलाई समावेश गराउने।

# अनुसूची-६

# अगुवा सहयोगी संस्थाको कार्यशर्त

अगुवा सहयोगी संस्थाको मुख्य भूमिका विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी क्रियाकलाप तय गर्नका लागि सबै निकायहरुबीच छलफल गर्न साझा मञ्च प्रदान गरी सहजकर्ताको रुपमा विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सहयोग गर्नु हो। यसको अन्य भूमिका देहाय बमोजिम हुनेछः-

1. सबै निकायहरूको सहकार्यमा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा कार्यमा सहयोग गर्ने,
2. विपद् व्यवस्थापन समितिसँग समन्वय गरी बैठकहरू सञ्चालन गर्ने,
3. विपद् सम्बन्धी तथ्याङ्‍क सङ्‍कलन, प्रकोप जोखिम विश्लेषण आदि कार्यमा समन्वय गर्ने र प्राविधिक तथा वित्तिय सहयोग प्रदान गर्ने,
4. प्रभावकारी प्रतिकार्य र पूर्वतयारीको लागि मुख्य सिद्धान्त वा न्यूनतम मापदण्डका वारेमा समन्वय गर्ने,
5. विगतका अनुभवको आधारमा सफलता, सिकाई, चुनौति तथा कमीकमजोरी पहिचान गर्ने,
6. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सवै विषयक्षेत्रका अगुवा तथा सदस्य संस्थाहरू लगायत अन्य सरोकारवालाहरूको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने,
7. कार्यशालाको नतिजा तयार गर्ने र सम्बन्धित तहमा कार्यरत मानवीय सहायतामा संलग्न निकायहरूलाई जानकारी गराउने तथा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिमा विषयक्षेत्रको योजना मस्यौदा पेश गर्ने,

# अनुसूची-७

# कार्यशाला गोष्ठीको कार्यसूची

**कार्यशाला गोष्ठीका विषयबस्तु देहाय अनुसार रहेका छन्:**

१. सन्दर्भ सामग्रीको पुनरावलोकनबाट प्राप्त निचोड,

२. निकायगत श्रोत, साधन तथा क्षमताहरू,

३. सम्भावित प्रकोप तथा सोको प्रभाव क्षेत्र,

४. विषयक्षेत्र केन्द्रित योजना र समूहगत छलफल,

५. तीनै चरणका योजनावद्ध कार्यहरूको पहिचान र प्राथमिकीकरण,

६. योजना गरिएका कार्यहरूमा सम्बन्धित निकायको दायित्व तथा भूमिका,

७. आवश्यकता तथा क्षमता विश्लेषण र क्षमता अभिबृद्धि गर्ने रणनीति,

८. अन्तर सम्बन्धित सवालहरुको सम्बोधन,

९. सहकार्य र समन्वयका क्षेत्रहरु र सरोकारवालाहरू,

१०.अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई योजना,

**माथि उल्लिखित छलफलका विषयको संक्षिप्त चिनारी देहाय अनुसार छः-**

1. **सन्दर्भ सामग्रीको पुनरावलोकनबाट प्राप्त निचोडः** विषयक्षेत्रका सम्बन्धित सदस्यले सम्भावित प्रकोप, सङ्‍कटासन्नता तथा जोखिमको अवस्थाको बारेमा गरिएको पुनरावलोकन र जोखिम विश्लेषण गोष्ठीको मुख्य सत्रमा प्रस्तुत गर्नेछन्। सहभागीहरूले यसमा छलफल गरी आवश्यकता भए परिमार्जन गर्न सुझाव दिन सक्छन्। यस्तो सुझाव गोष्ठी समाप्त भएपछि पनि लिन सकिनेछ। गाउँ/नगरपालिकाको प्रकोप, सङ्‍कटासन्नता तथा जोखिम विश्लेषणको निचोडमा छलफल गरीन्छ।
2. **निकायगत उपलब्ध स्रोत साधन तथा क्षमताहरू:** पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य क्षमताका बारेमा विश्लेषण गर्दा विषयक्षेत्रका अगुवा र अन्य सम्बन्धित निकायसँग छलफल गरी निर्क्यौल गर्नु पर्दछ। यसको संश्लेषण कार्यशालामा प्रस्तुत गरिनेछ। हरेक निकायले पूर्वतयारी र प्रतिकार्य गर्नका लागि आफुसँग भएका स्रोत र साधनको सूची तयार गर्नुपर्दछ।
3. **सम्भावित प्रकोप र सोको प्रभाव क्षेत्रः** आधारभूत अध्ययनमा सम्बन्धित तहका प्रकोहरूको पहिचान, सङ्‍कटासन्न क्षेत्र तथा पर्नसक्ने प्रभावको मूल्याङ्‍कन र लेखाजोखा गर्नुपर्दछ। यसको प्रतिवेदन कार्यशालामा प्रस्तुत गर्नुपर्दछ। जोखिम विश्लेषण गर्दा दुईवटा आयाममा ध्यान दिनुपर्दछः
4. प्रकोपको घटना घट्न सक्ने सम्भावना,
5. सो प्रकोपबाट जनताको जीउधन, पूर्वाधार तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा पर्नसक्ने असर र प्रभाव सामान्यतया विपद् जोखिम विश्लेषणका आधारमा प्रकोपहरू छनौट गरी योजना तयार गरिन्छ। प्रकोपको छनौट गर्दा प्रकृति, सम्भावित मात्रा र सम्भावित आपत्‍कालीन अवस्थालाई आधार मान्न सकिन्छ। कहिलेकाँही मात्र हुने भएता पनि भूकम्प जस्ता प्रकोपले ठूलो जनधनको क्षति पुग्न सक्दछ।
6. **विषयक्षेत्र केन्द्रीत योजना र समूहगत छलफलः** सहभागीहरूलाई आफ्नो संस्थाको कामसँग सम्बन्धित विषयक्षेत्र छनौट गर्न लगाउनु पर्दछ। यदि एउटै संस्था एकभन्दा वढी विषयक्षेत्रसँग सम्बन्धित भएमा संस्थाका तर्फबाट अन्य सदस्य समेत सहभागी गराउन वा सबैभन्दा वढी योगदान गर्न सकिने विषयक्षेत्र छनौट गरी समूह निर्माण गर्न सकिन्छ।
7. **तीनै चरणका योजनावद्ध कार्यहरूको पहिचान र प्राथमिकीकरणः** पूर्वतयारीका कार्यहरूमा सामान्य पूर्वतयारी र पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी र आपतकालीन अवस्थाका कार्यहरू हुन सक्नेछन्। उदाहरणका लागि केही पूर्वतयारी कार्यहरू निम्न हुन सक्नेछन्:
8. सम्बन्धित तहका प्रत्येक विषयक्षेत्रमा पूर्वतयारी र प्रतिकार्य गतिविधिहरूमा संलग्न एक सक्रिय सूचना व्यवस्थापन संयन्त्र सुनिश्चित गर्ने,
9. विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्यको लागि स्वयंसेवकहरू र प्रशिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने,
10. स्थानीय समुदायलाई पूर्वानुमानका साथै पूर्वसूचना प्रणाली, सूरक्षा तथा उद्धार सामग्री र उपकरणले सबल बनाउने,
11. प्रारम्भिक लेखाजोखा, मूल्याङ्‍कन र विस्तृत घरधुरी सर्वेक्षण फारम तथा प्रारूप तयार गर्ने,
12. तथ्याङ्‍क सङ्‍कलनका लागि आवश्यक फाराम तयार गर्ने,
13. पूर्वानुमान सूचना तथा सतर्कता सन्देशहरूका लागि सञ्चारको माध्यमहरूको विस्तृत अभिलेख राख्ने,
14. पूर्वतयारी र प्रतिकार्य क्रियाकलापहरूका लागि आवश्यक मानवीय, भौतिक तथा वित्तीय स्रोतहरू पहिचान गर्ने,
15. जनसंख्या, सङ्‍कटासन्न समुदाय, सामाजिक सेवा, क्षमता प्रणाली, सूरक्षा स्थिति, जीविकोपार्जन, बसोबासको अवस्था, खुल्ला ठाउँहरू, यातायात र पूर्वाधार सम्बन्धी सूचना प्राप्त गर्ने,
16. सुरक्षित मार्गहरू, खोज तथा उद्धार मार्गहरू, सङ्‍कटासन्न समुदायमा हेलिप्याड, अवतरण र ड्रप जोन पहिचान गर्ने,
17. सम्बन्धित तहमा पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य टोली गठन गर्ने र उनीहरूलाई तालिम प्रदान गर्ने,
18. अस्थायी आपत्‍कालीन आश्रय स्थल, खाद्य तथा गैर-खाद्य वस्तुहरूका लागि भण्डारण गृह र भण्डारण स्थलको पहिचान गर्ने, श्रोत सामाग्रीको आंकलन र नपुग सामाग्रीको जोहो गर्ने,
19. आपत्‍कालीन राहतको लागि आवश्यक पर्ने खाद्य तथा गैर खाद्य बस्तुहरूको बजार सर्वेक्षण गर्ने,
20. स्वास्थ्य सूरक्षा योजना तयार गर्ने, अस्थायी स्वास्थ्य केन्द्र पहिचान गर्ने,
21. विद्यालयहरूको जोखिमको आधारमा वर्गिकरण गर्दै सूरक्षा योजना तयार गर्ने, आकस्मिक योजना बनाउने,
22. जीविकोपार्जनका उपायहरु (गाईपालन, बाख्रापालन, सुँगुर र कखुरा फर्महरू, माछा पोखरी, तरकारी खेती लगायत अन्य पेशा तथा व्यवसाय) र सूरक्षाका अन्य उपायहरू बारे योजना बनाउने,
23. बाढी निकास र नहरहरू सफा रहेका सुनिश्चित गर्ने, संवेदनशील संरचनाको मजबुतीपना लेखाजोखा गर्ने,
24. सूरक्षा निकाय र स्वयम् स्वकलाई खोज तथा उद्धार तालिम प्रदान गर्ने,
25. पूर्वतयारी वारेमा राजनैतिक दल र नागरीक समाजका लागि संयुक्त अभिमुखीकरण गर्ने,
26. कार्यसञ्चालन विधि सहितको आपत्‍कालीन प्रतिकार्य कोषको विकास गर्ने

**केही प्रतिकार्यका कार्यहरू निम्न हुन सक्नेछन्:**

1. विपद् व्यवस्थापन समितिको आकस्मिक बैठक गर्ने,
2. खोज तथा उद्धार टोली र द्रुत प्रतिकार्य टोलीको परिचालन गर्ने,
3. घाइते तथा विरामीलाई घुम्ती क्लिनिकहरू मार्फत प्राथमिक उपचार गर्ने,
4. मानिसहरू र घरपालुवा जनावरहरू स्थानान्तरण गर्ने,
5. सूचना सङ्‍कलन गर्न, व्याख्या गर्न र पुष्टि गर्न आपत्‍कालीन सूचना प्रणाली (तथ्याङ्‍क–सूचना इकाई) स्थापना र सञ्चालन गर्ने,
6. आपत्‍कालीन प्रतिकार्यका लागि स्थानीय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्रलाई सक्रिय बनाउने,
7. आपत्‍कालीन आश्रयस्थल तथा राहत सामग्रीको व्यवस्था गर्ने,
8. बाढीको खतरा क्षेत्रमा नदीको सतह सतर्कता तहभन्दा तल नझरेसम्म प्रतिघण्टाको अद्यावधिक सूचना प्रवाह जारी राख्ने,
9. सम्बद्ध आपत्कालीन प्रतिकार्य योजनाहरूलाई सक्रिय बनाउने,
10. विषयगतक्षेत्र (Cluster) र कार्यदल समुहले आफ्ना सम्बधित आपत्‍कालीन योजनाहरू सक्रिय बनाउन नेतृत्व गर्ने ।

**नोटः**

* 1. पूर्वतयारी र प्रतिकार्य क्रियाकलापहरू सम्बन्धी थप जानकारी राष्ट्रिय विपद् प्रतिकार्य कार्यढाँचा, २०७५ बाट पनि लिन सकिनेछ।
	2. प्रकोप पूर्वसूचना प्रणाली सम्बन्धी जानकारी राष्ट्रिय आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्र वा सम्बन्धित जिल्ला आपत्‍कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्र मार्फत लिन सकिनेछ।
1. **योजना गरिएका कार्यहरूमा सम्बन्धित निकायको दायित्व तथा भूमिकाः** बिभिन्न निकायहरूको जिम्मेवारी ऐन, नियम, राष्ट्रिय विपद् प्रतिकार्य कार्यढाँचा तथा सम्बन्धित निकायको कार्यक्षेत्र, कार्यशर्तहरूमा उल्लेख भए अनुसार हुन्छन्। कार्यशालामा सम्बन्धित विपद् व्यवस्थापन समितिका सदस्यहरू, विषयक्षेत्रका सदस्यहरू, मानवीय कार्यमा संलग्न संस्थाहरूको भूमिकाको वारेमा छलफल गर्नुपर्छ। यस्ता कार्यक्षेत्र तथा कार्यशर्तहरूलाई स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिले आवश्यकता अनुसार थप स्पष्ट गर्न सक्नेछ।
2. **आवश्यकता तथा क्षमता विश्लेषण र क्षमता अभिबृद्धि गर्ने रणनीतिः** योजना तर्जुमा गर्दा यसको कार्यान्वयनका लागि आवश्यक पर्ने सामग्री, उपकरण, जनशक्ति, आर्थिक श्रोत र योजना कार्यान्वयनमा संलग्न संस्थाहरूको क्षमता विश्लेषण गरी नपुग क्षमता परिपूर्ति गर्न आवश्यक रणनीति बनाउनु पर्छ। विश्लेषणमा विपद् घटना पश्चात् प्रभावितहरूको मानवीय आवश्यकताको पूर्वानुमान (जस्तै आश्रय स्थलमा आवश्यक पर्ने खाद्यान्न, स्वास्थ्य तथा सरसफाई सामग्री आदि), जनसङ्ख्याको विशेषता (जस्तैः लिङ्ग, उमेर, आर्थिक तथा सामाजिक स्तर आदि), प्रभावित समुदाय एवम् सम्बन्धित तहको प्रतिकार्य क्षमताका साथै सम्भावित भौतिक तथा वातावरणीय अवस्था (पहूँच मार्ग, बजार, सेवा प्रवाह आदिका अवस्था) लाई पनि समावेश गर्नुपर्दछ।
3. **अन्तर सम्बन्धित विषय, सवालहरूको सम्बोधन:** विपद्‌बाट महिला/पुरुष, वालवालिका, ज्येष्ठ नागरिक, अशक्त वा बिभिन्न कारणले भिन्न शारीरिक तथा मानसिक अवस्था भएका व्यक्तिहरूमा फरक–फरक प्रभाव पर्दछ। विपद् हुनु अगावैको अवस्थामा समेत समाजका केही समूह तथा व्यक्तिहरु आर्थिक तथा सामाजिक हिसावले सीमान्तकृत भएका हुन्छन्। यसैले सङ्‍कटासन्नता लेखाजोखा, क्षमता विकास र स्रोत परिचालन गर्दा महिला, पुरुष, वालवालिका, ज्येष्ठ नागरिक, अशक्त वा बिभिन्न कारणले भिन्न शारीरिक तथा मानसिक अवस्था भएका व्यक्तिको आवश्यकता र क्षमतालाई मध्यनजर राख्नुपर्दछ। यी मुद्दालाई विशेष ध्यान पुर्‍याई उनीहरूको फरक आवश्यकता, योगदान र क्षमतालाई सम्वोधन गर्नुपर्दछ। विपद्को पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा अनुगमनका हरेक चरणमा सबैले महिला/पुरुष, वालवालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति सहित सामाजिक तथा आर्थिक रुपमा पिछडिएका समुदायको पहूँच, प्रतिनीधित्व र सक्रिय सहभागीताको सुनिश्चितता गर्नु पर्दछ।
4. **सहकार्य र समन्वयका क्षेत्रहरु र सरोकारवालाहरू:** योजना कार्यान्वयनका लागि परस्पर सहकार्य र समन्वयका क्षेत्रहरू पहिचान गरी योजनामा समावेश गरिन्छ। अन्य तह र निकायसँगको समन्वय र सहयोगको संयन्त्र तथा सहकार्यका क्षेत्रहरु निर्धारण गरिनु पर्दछ। अन्य तह र निकायबाट आवश्यक पर्ने सहयोग स्पष्ट गरी समयमै जानकारी गराएमा उनीहरूले आफ्ना योजनामा राख्न सक्छन्।
5. **अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई योजनाः** विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाले निर्दिष्ट गरेका कार्यहरूको कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्याङ्‍कन गर्न लक्ष्य र सूचकहरू परिभाषित गरी अनुगमन, मूल्याङ्‍कन योजना तयार गर्नु पर्दछ।

प्रकोप अनुसार पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यको अनुगमन तथा मूल्याङ्‍कन सामान्यतया दुई पटक गर्नु उपयुक्त हुन्छ (जस्तैः बाढी, पहिरो जस्ता प्रकोपका लागि मनसुन पूर्व र पश्चात, शीतलहर पूर्व र पश्चात, अन्य प्रकोपको हकमा विपद् पश्चात्)। योजना कार्यान्वयनको अवस्था र प्रभावकारिताको अनुगमन आवश्यकता अनुसार त्रैमासिक, चौमासिक, अर्धबार्षिक गर्न सकिन्छ। योजनाको कार्यान्वयनको बार्षिक मूल्याङ्‍कन र समसामयिक परिमार्जन गर्न सकिन्छ। प्रत्येक विषयक्षेत्रले पूर्वतयारी अवस्था र प्रतिकार्यको मूल्याङ्‍कनको लागि आ–आफ्नो योजना बनाउनु पर्दछ।

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना कार्यान्वयनको समग्र प्रभावकारिता र कमजोरी तथा सिकाईहरू मूल्याङ्‍कन गर्ने कार्य गाउँ/नगरपालिकाको अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिले गर्नु पर्नेछ। यस समितिले स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिसँग प्रत्यक्ष समन्वयमा कार्य गर्नेछ।

# अनुसूची-८

# स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिमा विद्यमान पदाधिकारीहरूको विवरण

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **नामथर** | **पद** | **आवद्ध निकाय/कार्यालय/संस्था** | **सम्पर्क नम्बर** |
| १ |  |  |  |  |
| २ |  |  |  |  |
| ३ |  |  |  |  |
| ४ |  |  |  |  |
| ५ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

# अनुसूची-९

# विषयक्षेत्रका अगुवा संस्थाका पदाधिकारीहरूको विवरण

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **विषयक्षेत्र** | **नामथर** | **पद** | **आवद्ध निकाय/कार्यालय/संस्था** | **सम्पर्क नम्बर** |
| १ |  |  |  |  |  |
| २ |  |  |  |  |  |
| ३ |  |  |  |  |  |
| ४ |  |  |  |  |  |
| ५ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

# अनुसूची-१०

# विषयक्षेत्र अन्तर्गतका सरोकारवाला निकाय तथा संस्थाहरूको विवरण

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **विषयगत****क्षेत्र** | **निकाय, शाखा, कार्यालय संस्थाको नाम** | **टोली** | **सम्पर्क व्यक्तिको नाम र पद** | **सम्पर्क विवरण (फ्याक्स, फोन, इमेल)** | **कैफियत** |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

# अनुसूची-११

# प्रतिकार्यको लागि उपलब्ध जनशक्ति तथा संस्थाहरूको विवरण

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **विषयगत****क्षेत्र** | **व्यक्तिको नाम र पद**  | **निकाय, शाखा, कार्यालय संस्थाको नाम** | **सम्पर्क विवरण (फ्याक्स, फोन, इमेल)** | **कैफियत** |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

# अनुसूची-१2

# योजना अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाई संश्लेषण प्रारुप

**क. विपद्‍ पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अनुगमनका लागि सूचक तथा लक्ष्यहरू**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **सूचक** | **आधाररेखा** | **लक्ष्य** |
| **१.** | **गाउँ/नगर क्षेत्रमाविपद्‌बाट हुने मृत्यु दर कम गर्ने** |  |  |
| १.१ | विपद्‌बाट मृत्यु हुनेको वार्षिक औसत संख्या (सडक दुर्घटना बाहेक) |  |  |
| १.२  | सडक दुर्घटनाबाट मृत्यु हुनेको वार्षिक औसत संख्या  |  |  |
| **२.** | **गाउँ/नगरपालिकास्तरमा विपद्‌बाट प्रभावित व्यक्तिहरूको संख्या उल्लेख्य मात्रामा कम गर्ने** |  |  |
| २.१ | विपद्‌बाट प्रत्यक्ष प्रभावित हुने परिवारहरूको वार्षिक औसत संख्या |  |  |
| २.२ | विपद्‌बाट घाईते हुने व्यक्तिहरूको वार्षिक औसत संख्या |  |  |
| २.३ | सडक दुर्घटनाबाट घाईते हुने व्यक्तिहरूको वार्षिक औसत संख्या |  |  |
| २.४ | विपद्‌बाट क्षति हुने घरहरूको वार्षिक औसत संख्या |  |  |
| **३.** | **विपद्को कारण हुने वार्षिक औसत प्रत्यक्ष आर्थिक क्षति कम गर्ने** |  |  |
| **४.** | **संघ, प्रदेश र स्थानीय तहहरू र सरोकारवालाहरू बीच अन्तर तथा परस्पर समन्वय र साझेदारी अभिबृद्धि गर्न संयन्त्रको विकास हुने** |  |  |
| **५.** | **बहुप्रकोप पूर्वसूचना प्रणाली र विपद् जोखिम सूचना आंकलन, उपलब्धता र पहुँचमा बृद्धि गर्ने** |  |  |
| ५.१ | कूल क्षेत्रफलको अनुपातमा बहुप्रकोप अनुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना र संचालन भएको क्षेत्र |  |  |
| ५.२ | विपद् प्रभावित क्षेत्रको जनसंख्याको अनुपातमा स्थानीय वा राष्ट्रिय सूचना प्रणाली मार्फत पूर्वसूचना प्राप्त गर्ने जनसंख्या |  |  |
| ५.३ | विपद् जोखिमयुक्त क्षेत्रहरूमा पूर्वानुमानमा आधारित पूर्वतयारी कार्यविधि लागु भएका वडा |  |  |
| ५.४ | स्थानीय स्तरमा उपयोगी विपद् जोखिम सम्बन्धी सूचना तथा जानकारी एवम् आंकलन जनसमुदायलाई उपलब्ध गराउन सक्ने वडा सङ्ख्या |  |  |
| ५.५ | पूर्वसूचना प्राप्त भएपछि विपद् प्रभावित क्षेत्रबाट सुरक्षित स्थानमा सारिएका जनसंख्या |  |  |

**ख. पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना कार्यान्वयन अवस्था र सिकाई सम्बन्धी ढाँचा**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी कार्यहरु** | **मुख्य जिम्मेवार निकाय** | **कार्यान्वयनको अवस्था** | **असल अभ्यास तथा कमीकमजोरी** | **सुझाव** |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

*नोटः अनुगमन, मूल्याङ्‍कन तथा सिकाइलाई अन्य स्थापित प्रचलनका ढाँचामा पनि अभिलेखन गर्न सकिन्छ।*

**ग. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना पुनरावलोकन समय तालिका**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **योजना पुनरावलोकन गरिने अवधि** | **जिम्मेवार निकाय** | **गर्नुपर्ने मुख्य कार्य (बैठक गर्ने,बजेट व्यवस्था आदि)** | **अर्को योजना पुनरावलोकन वा अद्यावधिक गर्ने बैठकको अनुमानित मिति** |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |

**घ. घटना विवरण प्रतिवेदनलढाँचा**

1. तयार गर्ने गाउँ/नगरपालिका:
2. प्रतिवेदन तयार गरेको मितिः
3. पेश गरेको निकायः (जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, प्रदेश सरकार, सङ्‍घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय आदि)
4. बोधार्थः (जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, प्रदेश सरकार, सङ्‍घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय आदि)
5. प्रतिवेदन अवधि (.......देखि......सम्म)
6. सामान्य अवस्था (प्रभावित क्षेत्र, प्रभावित जनसङ्ख्या, क्षति भएको घर आदि)
7. पूर्वतयारी कार्यको विवरण
8. पूर्वतयारी योजना (सरकारी निकाय, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, गैरसरकारी क्षेत्रबाट प्रदान गरिने पूर्वतयारी योजना/कार्य)
9. खोज, उद्धार र राहतको विवरण (सरकारी, गैर सरकारी, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी र राष्ट्र सङ्‍घीय निकायहरूबाट भएको खोज, उद्धार र राहत)
10. खोज, उद्धार र राहतको योजना (सरकारी, रेडक्रस, गैरसरकारी क्षेत्रबाट प्रदान गरीने खोज, उद्धार र राहतको योजना)
11. पूर्वतयारी तथा खोज, उद्धार र राहतमा देखिएका कमी वा कठिनाई
12. समस्या समाधानका उपाय वा अवश्यक सहयोगको अपेक्षा

# सन्दर्भ सामग्री

1. जिल्ला विपद्‍ पूर्वतयारी तथा प्रति कार्ययोजना, ............., ...................
2. विपद्‍ जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, २०७४ (सङ्‍घीय ऐन), नियमावली, 2075
3. ................. गाउँ/नगरपालिकाको विपद्‍ जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, .......
4. स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४
5. ............ गाउँ/नगरपालिकाको विपद् व्यवस्थापन कोष सञ्चालन कार्यविधि,.......
6. ................. गाउँ/नगरपालिकाको एकिकृत/आवधिक विकास योजना
7. ................. गाउँ/नगरपालिकाको विपद्‍ व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशील योजना
8. ..................................
9. ...................................
10. ..................................